क्या खाली है तमिलनाडु का... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

टॉक्सिक में यश के साथ बोल्ड... 11

वर्ष - 02, अंक - 38 | गाजियाबाद / मंगलवार 12 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में भारतीय की मौत के बाद ऐक्शन में सरकार

● अब ब्रिक्स के मंच पर ईरान से होगी भारत की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जारी तनाव और हाल ही में यहां गुजरात की एक नाव डूबने से एक भारतीय की मौत के बाद भारत सरकार ऐक्शन में आ गई है। भारत इस सप्ताह नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स के शेरपा और विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान इस मुद्दे को उठाएगा और ईरान से इस पर बातचीत करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के बीच अहम बैठक होगी जहां भारत अपने फंसे हुए जहाजों को निकालने और सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित

कराने के लिए ईरान से बातचीत करेगा। बता दें कि दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों से से एक होर्मुज में बीते मार्च महीने से ही तनाव जारी है। अमेरिका और ईरान दोनों ने ही इस रास्ते पर प्रतिबंध लगा दिए हैं जिससे जहाजों की आवाजाही ठप हो गई है। भारत के लिए यह रास्ता बेहद अहम है क्योंकि युद्ध शुरू होने से पहले भारत के कच्चे तेल आयात का 40 फीसदी और एलपीजी आयात का 90 फीसदी हिस्सा यहीं से गुजरता था। भारत के 11 जहाज ही यहां से बाहर निकल पाए हैं, जबकि 13 जहाज फंसे हैं।

केरल में सीएम को लेकर शुरू हो गया पोस्टरवार

● टेंशन में कांग्रेस, मुख्यमंत्री की रेस में हैं तीन नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर तीन दावेदार बताए जा रहे हैं। पहला नाम है वीडी सतीशन, दूसरा केसी वेणुगोपाल और तीसरा नाम रमेश चेन्निथला का है। इन नामों को लेकर सड़कों पर पोस्टरवार भी शुरू हो गया है जिससे कांग्रेस टेंशन में आ गई है। अप्रैल महीने में देश के पांच राज्यों में चुनाव करवाए गए। दो राज्यों को उनके मुख्यमंत्री मिल चुके हैं। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं तो वहीं रविवार को

तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय ने भी अपना पद संभाल लिया। मंगलवार को असम में हिमंत बिस्व सरमा शपथ लेने वाले हैं लेकिन अभी केरल में मुख्यमंत्री के नाम पर ही फैसला नहीं हो पाया है। यहां कांग्रेस के अगुआई वाले गठबंधन यूडीएफ की जीत हुई है और ऐसे में कांग्रेस को ही मुख्यमंत्री को लेकर फैसला करना है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि मुख्यमंत्री का फैसला शीर्ष नेतृत्व को करना है और इसका फैसला भी हो चुका है। केवल अब नाम का ऐलान करना बाकी रह गया है।

ट्रम्प ने जंग रोकने के लिए ईरान का प्रस्ताव ठुकराया

● बोले-मुझे पसंद नहीं आया, अमेरिका ने एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकार नहीं किया सकता। इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक,

प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा।

दुर्लभ बिल्ली ने बकरी मारी

...तो राजस्थान सरकार देगी बकरी

● शिकार के शक में जलाकर मार दी थी कैरेकल, अब खुलेगा प्रदेश में पहला गोट बैंक

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में दुर्लभ वन्यजीव कैरेकल कैट (सियागोश) को बचाने के लिए वन विभाग प्रदेश का पहला 'गोट बैंक' (बकरी बैंक) शुरू करने जा रहा है। यह कदम मार्च 2026 में हुई उस दिल दहला देने वाली घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें ग्रामीणों ने अपनी 50 बकरियों के शिकार के शक में एक दुर्लभ कैरेकल को जिंदा जला दिया था। वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर तैयार इस प्रोजेक्ट का मकसद रिवेंज किलिंग (बदले की हत्या) को रोकना है। अब अगर कैरेकल किसी की बकरी का शिकार करेगा, तो विभाग कार्रवाई के बजाय सीधे नई बकरी देगा।

बॉर्डर इलाके में कैरेकल कैट की अच्छी संख्या

डीएफओ शुभम कुमार कहते हैं- फील्ड सर्वे से यह पूरी तरह साफ हो गया है कि भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब स्थित सरहदी इलाकों में कैरेकल कैट की अच्छी मौजूदगी है। अब केंद्र और राज्य सरकार इनके संरक्षण पर खास ध्यान दे रही हैं। कैरेकल उन जीवों में शामिल है, जो लुप्त होने की कगार पर हैं। ऐसे में इनकी सुरक्षा अब वन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है।

50 बकरियों के बदले जला दी कैरेकल

मार्च 2026 में जैसलमेर के सरहदी इलाके में एक जला हुआ कैरेकल मिला था। ग्रामीणों ने वीडियो भी वायरल किया था पूछताछ में सामने आया कि कैरेकल ने ग्रामीणों की करीब 50 बकरियां मार दी थीं। गुस्से में ग्रामीणों ने पैरों के निशान का पीछा किया और कैरेकल को घेरकर मार डाला। भारत में अब महज 50 कैरेकल बचे हैं, जिनमें से जैसलमेर में सिर्फ 4 के कुनबे की पुष्टि हुई है। जैसलमेर के डीएफओ शुभम कुमार कहते हैं- हमारा टारगेट इंसानों और कैरेकल के बीच के संघर्ष को कम से कम करना है। सरहदी इलाकों में इनकी मौजूदगी हमारे इकोसिस्टम के लिए गर्व की बात है। हम चाहते हैं कि ग्रामीण इन्हें दुश्मन न समझें। कैरेकल एक शर्मीला लेकिन बेहद फुर्तीला शिकारी है। जब किसी पशुपालक का मवेशी मरता है, तो उसे आर्थिक चोट लगती है।

पोकरण परमाणु परीक्षण से हिल गई थी दुनिया

● पीएम बोले-विश्वभर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतरीं, हम डटे रहे, डरे नहीं

सोमनाथ मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए मोदी

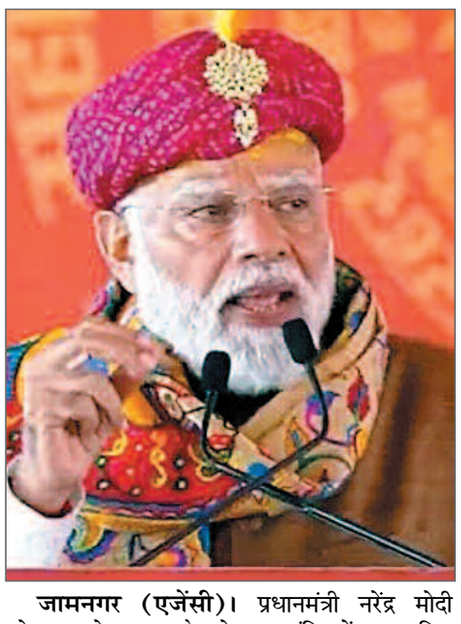

जामनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। पीएम ने कहा- भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु

परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है। मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं।

पीएम बोले- भारत को कोई झुका नहीं सकता- सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तब तक मजबूत नहीं बन सकता, जब तक वह अपनी जड़ों से जुड़ा न रहे। भारत में विरासत और आधुनिकता एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, दोनों साथ-साथ चलते हैं। हमारे देश में सांस्कृतिक और पवित्र स्थलों के पुनर्निर्माण को लेकर काफी राजनीति हुई है। दुर्भाग्य से आज भी ऐसी ताकतें हैं, जो राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व देती हैं। लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर की भव्यता मिटाने की कोशिश की। इस मंदिर को बार-बार तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही दबा सकती है।

वाजपेयी सरकार में हुआ था दूसरा परमाणु परीक्षण

11 मई 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया था। यह काफी गोपनीय ऑपरेशन था। इसकी तैयारियां इतनी गुप्त थीं कि विदेशी खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इन परीक्षणों के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी रणनीतिक और वैज्ञानिक ताकत दिखाई। लेकिन परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका, जापान और कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे।

राहुल बोले- देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं

● सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं, नाकामी के सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया सात अपीलों पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं। उन्होंने कहा, 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।' दरअसल पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा बच सके।

बीएसएफ को मिलेगी बांग्लादेश बॉर्डर फेंसिंग के लिए जमीन

● बंगाल की भाजपा सरकार का फैसला, नए आपराधिक कानून लागू होंगे, आयुष्मान पर भी काम शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए बीएसएफ को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए 45 दिन के भीतर यह जमीन गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। हावड़ा के नाबन्ना में नवनिर्वाचित बीजेपी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। सीएम अधिकारी ने कहा कि यह फैसला बैठक में लिए गए मुख्य प्रस्तावों में से एक था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने राज्य में पुराने आईपीसी और सीआरपीसी की जगह नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता को लागू नहीं किया था।

राज्य में अब बीएनएस लागू करने की आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और जन आरोग्य योजना भी पश्चिम बंगाल में भी लागू की जाएंगी।

सुवेंदु कैबिनेट की बैठक के बड़े फैसले

चुनावी हिंसा में मारे गए 321 बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिवारों की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसे 45 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना समेत केंद्र की सभी योजनाएं जल्द ही लागू होंगी। उज्ज्वला योजना से जुड़ी सभी लंबित याचिकाएं केंद्र के पास भेजी गई हैं।

बंगाल में 'राम' की जीत में 'वाम' का हाथ

● टीएमसी से परेशान कम्युनिस्ट वोटरों ने चुनी भगवा राह!

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों ने न केवल सत्ता बदली है, बल्कि राज्य के दशकों पुराने राजनीतिक समीकरणों को भी उलट दिया है। भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत के पीछे एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। वामपंथी मतदाताओं का बड़े पैमाने पर भाजपा की ओर झुकाव देखने को मिला है। इसे राज्य में 'एबार राम, पोरे बाम' (इस बार राम, अगली बार वाम) के नारे के रूप में देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर से ममता बनर्जी को हराने के बाद अपने विजय भाषण में वामपंथी मतदाताओं का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भवानीपुर में माकपा के पास 13,000 वोट थे, जिनमें से कम से कम 10,000 वोट मुझे मिले। मैं माकपा मतदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

क्यों हुआ 'वाम' से 'दक्षिण' की ओर पलायन

2011 में सत्ता से हटने के बाद से तृणमूल कांग्रेस ने वामपंथी कार्यकर्ताओं पर कथित तौर पर भारी दबाव बनाया। उनके दफ्तर छीने गए और कई कार्यकर्ताओं को हिंसा का सामना करना पड़ा। ऐसे में वाम समर्थकों ने भाजपा को एक 'लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी' के रूप में देखा, जो उन्हें टीएमसी के खिलाफ सुरक्षा दे सकती थी। 2018 के पंचायत चुनावों में हुई व्यापक हिंसा और माकपा कार्यकर्ताओं की हत्याओं ने कैडरों को यह विश्वास दिला दिया कि टीएमसी ही उनकी असली दुश्मन है। यहीं से वामपंथी वोटों का भाजपा की ओर स्थानांतरण शुरू हुआ। चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की भारी तैनाती ने वामपंथी समर्थकों को बिना किसी डर के वोट डालने का साहस दिया। इंडिया टुडे से बात करते हुए माकपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस बार वे टीएमसी के डर के बिना मतदान कर सके।

वाम का पतन, भाजपा का उदय

पश्चिम बंगाल में वामपंथ का ग्राफ लगातार नीचे गिरा है, जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। माकपा का वोट शेयर जो 2011 में 41.09 फीसदी था, वह 2026 के विधानसभा चुनाव में गिरकर मात्र 4.4 फीसदी रह गया। लोकसभा 2019 में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भी सीताराम येचुरी ने माना था कि वामपंथ का आधार वोट भाजपा की ओर खिसक गया है। 2026 के चुनाव में भाजपा ने जादवपुर, उत्तरपारा और दमदम उत्तर जैसी सीटों पर जीत दर्ज की, जो कभी वामपंथ के गढ़ हुआ करते थे। यहां तक कि दीप्सिता धर और मीनाक्षी मुखर्जी जैसे युवा वामपंथी चेहरे भी चुनाव हार गए। वामपंथी समर्थकों का मानना है कि यह विचारधारा का बदलाव नहीं, बल्कि एक युद्ध रणनीति (फाइटर की तरह) है। एक दिन हार मानकर पीछे हटना ताकि भविष्य की बड़ी लड़ाई के लिए बचा जा सके। उनका तर्क है कि एक बार टीएमसी सत्ता से बाहर हो गई, तो वे वापस अपने 'लाल झंडे' की ओर लौट आएंगे।

क्या होगा वामपंथ का भविष्य

टीएमसी की विदाई के बाद अब वामपंथी दल अपने अस्तित्व को फिर से तलाश रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जहां वामपंथी कार्यकर्ता अपने उन दफ्तरों को फिर से खोल रहे हैं जो टीएमसी के कब्जे में थे। कुछ जगहों पर भाजपा नेताओं की मौजूदगी में ये दफ्तर वापस किए गए। हालांकि विधानसभा में वामपंथ की स्थिति कमजोर है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार दिखा है। माकपा ने मुर्शिदाबाद की सीट जीती है।

चुनाव खत्म होते ही पीएम को याद आया 'संकट' : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनता से कम खर्च करने और खाने के तेल की खपत कम करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर तंज करते हुए सोमवार को कहा कि यह गुजारिश सरकार की अपनी असफलता की 'स्वीकारोक्ति' है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तेलंगाना में एक रैली में आम जनता से पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे हालात में ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल करने और सोने की खरीद तथा विदेश यात्रा को एक साल के लिए टालने जैसे कई उपाय सुझाए जाने पर तंज करते हुए 'एक्स' पर कहा कि चुनाव खत्म होते ही, 'संकट' याद आ गया! दरअसल देश के लिए 'संकट' सिर्फ़ एक है और उसका नाम है-'भाजपा'। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गयी है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए क्योंकि जनता तो वैसे भी 1.5 लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है। भाजपाई ही अपनी काली कमाई का स्वर्णीकरण करने में लगे हैं। हमारी बात गलत लग रही हो तो 'लखनऊ से लेकर गोरखपुर' तक पता कर लीजिए या 'अहमदाबाद से लेकर गुवाहाटी' तक। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वैसे सारी पाबंदियां चुनाव के बाद ही क्यों याद आईं है? भाजपाइयों ने चुनाव में जो हजारों चार्टर हवाई यात्राएं कीं वो क्या पानी से उड़ रहीं थीं? वो क्या होटलों में नहीं ठहर रहे थे या सिलेंडर की फोटो लगाकर खाना बनाकर खा रहे थे? भाजपाइयों ने चुनाव में वीडियो कॉन्फ्रेंस से ही प्रचार क्यों नहीं किया? सारी पाबंदियां जनता के लिए ही हैं क्या? उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील की आलोचना करते हुए कहा कि ये अपील भाजपा सरकार की अपनी असफलता की स्वीकारोक्ति है। दरअसल वोट मिलते ही भाजपा का खोट सामने आ गया।

धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में तीन शिक्षक निलंबित

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित पीएमश्री स्कूल के तीन शिक्षकों को परिसर में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोपों में निलंबित कर दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने जलाब सराय गांव में हुई आधिकारिक जांच के बाद प्रधानाचार्य मोहम्मद अंजर अहमद, कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वलेश कुमार और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक शिक्षकों पर स्कूल के अंदर धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और हिंदू छात्रों को टोपी पहनने के लिए कहने और लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप है। इन आरोप में लिप्त होने पर एफआईआर दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद 7 मई को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद, संभल ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार ने मामले की जांच के लिए 8 मई को स्कूल का दौरा किया। छात्रों के बयान दर्ज किए गए और बाद में बीएसए को रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वालेश कुमार को वरिष्ठ अधिकारियों को गतिविधियों के बारे में सूचित करने में विफल रहने और अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन न करने के आरोप में निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य मोहम्मद अंज़ार अहमद और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज़ दोनों विद्यालय परिसर में अनुपस्थित पाए गए।

क्या खाली है तमिलनाडु का खजाना.... यहां थलापति कर रहे राजनैतिक बयानबाजी

पूर्व सीएम स्टालिन ने दावों पर उठाए सवाल

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री विजय थलापति पहले दिन से ही चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम् को लेकर उठे विवाद के बाद, दूसरा और बड़ा मुद्दा राज्य की आर्थिक स्थिति पर उनके दावे से शुरू हुआ है। नए मुख्यमंत्री बने विजय ने आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती डीएमके सरकार ने राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ा है और सरकारी खजाने को पूरी तरह से खाली किया है। इन दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने तीखा पलटवार कर कहा कि प्रदेश की नई सरकार के पास पैसा है, बस लोगों तक पहुंचाने की इच्छाशक्ति और शासन चलाने की क्षमता की कमी है।

राज्य की राजनीति में नई सरकार आने के बाद पूर्ववर्ती सरकार पर खजाना खाली करने का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। इसके पहले भी सत्ता में आने वाली डीएमके सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती एआईएडीएमके सरकार पर इसतरह के आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति उतनी खराब है जितनी सीएम विजय ने बात दी है, या यह केवल राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा है?

दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु पर भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा कर्ज है। वर्ष 2025 के अंत तक, राज्य पर करीब 9.56 लाख करोड़ रुपये की उधारी का अनुमान है। यह पिछले कई वर्षों के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लिया गया कर्ज है। हालांकि, तमिलनाडु देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है, जिसकी विकास दर 2011 के जीडीपी वर्ष आधार पर 10.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 11.2 प्रतिशत हो गई है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य इस कर्ज को संभालने और चुकाने की मजबूत क्षमता रखता है।

इसके बाद विशेषज्ञों के अनुसार, मुख्यमंत्री थलापति की सरकार की वास्तविक चिंता कर्ज की मात्रा से अधिक, वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे अनिवार्य खर्चों का बढ़ता बोझ है। एक रिपोर्ट में प्रकाशित पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में राज्य की अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का लगभग 62 प्रतिशत इन्हीं अनिवार्य खर्चों में जाने का अनुमान है, जिससे विकास कार्यों पर खर्च के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है।

लेकिन विडंबना यह है कि थलापति ने स्वयं चुनावी घोषणापत्र में हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे कई कल्याणकारी वादे किए हैं, जो उनके सरकारी खर्चे को और भी बढ़ाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में तमिलनाडु पहले ही सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं पर 72,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की योजना बना चुका है, जो सड़क और बुनियादी ढांचे जैसी विकास परियोजनाओं के लिए निर्धारित राशि से भी अधिक है। अनुमान है कि विजय के सभी चुनावी वादों को पूरा करने से राज्य पर वार्षिक कल्याणकारी खर्च लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

वहीं तमिलनाडु का खजाना भले ही पूरी तरह से खाली न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से गंभीर वित्तीय दबाव में है। मुख्यमंत्री थलापति को न केवल पूर्ववर्ती सरकार द्वारा छोड़ी गई विरासत का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि अपने स्वयं के चुनावी वादों को पूरा करने के लिए भी एक ठोस वित्तीय रणनीति बनानी होगी, जो राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन बिठा सके।

शुभेंदु के पीए की हत्या : बक्सर से विशाल श्रीवास्तव को किया गिरफ्तार

यूपीआई भुगतान से खुला हत्यारों का राज

बक्सर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की सनसनीखेज हत्या के मामले में जांच तेज करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बिहार के बक्सर में बड़ी कार्रवाई की है। एसटीएफ की टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयपट्टी निवासी कुख्यात अपराधी विशाल श्रीवास्तव को हिरासत में लिया है और उसे पूछताछ के लिए कोलकाता ले गई है। विशाल के खिलाफ हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे करीब एक दर्जन गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ को संदेह है कि चंद्रनाथ रथ की हत्या की साजिश और इसे अंजाम देने से जुड़े कई अहम राज विशाल के पास हो सकते हैं। हालांकि, बक्सर के एसपी शुभम आर्य ने इस पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि की है कि पश्चिम बंगाल से आई टीम ने छापेमारी कर विशाल को हिरासत में लिया है। इस बीच, जांचकर्ताओं को हावड़ा के बल्ली टोल प्लाजा से एक बेहद महत्वपूर्ण सुराग मिला है। वारदात में इस्तेमाल की गई संदिग्ध कार हमले से कुछ देर पहले टोल प्लाजा से गुजरी थी, जहाँ उसमें सवार लोगों ने यूपीआई के माध्यम से टोल का भुगतान किया था। इस डिजिटल ट्रांजेक्शन ने पुलिस को संदिग्धों के मोबाइल नंबर तक पहुँचा दिया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज में हमलावरों और वाहन की स्पष्ट तस्वीरें भी कैद हुई हैं। ज्ञात हो कि चंद्रनाथ रथ की हत्या 6 मई की रात कोलकाता हवाई अड्डे के समीप मध्यमग्राम के दोहरिया लेन में उस वक्त कर दी गई थी, जब वे अपनी एसयूवी से लौट रहे थे। हमलावरों ने सिल्वर रंग की कार से उनका रास्ता रोका और फिर दोपहिया वाहनों पर सवार होकर आए शूटर्स ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। जांच में पता चला है कि इस हत्याकांड में ऑस्ट्रिया निर्मित अत्याधुनिक ग्लॉक 47 एक्स पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया है, जिसने राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। सीआईडी और एसटीएफ की संयुक्त एसआईटी इस कोण से भी जांच कर रही है कि क्या इस हत्याकांड के पीछे कोई विदेशी नेटवर्क शामिल है, जिसने बांग्लादेश के रास्ते हथियारों की आपूर्ति की हो। विशाल श्रीवास्तव की गिरफ्तारी इस केस की गुत्थी सुलझाने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

रेल मंत्री का बड़ा दावा: बुलेट ट्रेन खत्म करेगी छोटे रूटों पर हवाई सफर

-अश्विनी वैष्णव के बयान ने बढ़ा दी एयरलाइंस के लिए चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आने वाले वर्षों में, भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क कई छोटे घरेलू हवाई मार्गों पर हवाई यात्रा को करीब-करीब समाप्त कर देगा। सीआईआई बिजनेस समिट में रेल मंत्री वैष्णव ने एयरलाइन निवेशकों को आगाह कर संकेत दिया कि मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और बेंगलुरु-चेन्नई जैसे प्रमुख रूटों पर यात्री अब फ्लाइट के बजाय बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने वाले है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव का तर्क है कि जिस तरह जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में हाई-स्पीड रेल ने घरेलू विमानन बाजार को पूरी तरह बदल दिया है, ठीक उसी तरह भारत में भी एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री के अनुसार, मुंबई से पुणे की दूरी बुलेट ट्रेन से केवल 48 मिनट में तय होगी। इसी तरह, पुणे से हैदराबाद की यात्रा 1 घंटा 55 मिनट में, हैदराबाद से बेंगलुरु की यात्रा 2 घंटे 8 मिनट में और बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा महज 78 मिनट में पूरी होगी। इतनी कम यात्रा अवधि के साथ, लोग हवाई अड्डों पर लंबी सुरक्षा जांच, शहर के ट्रैफिक और उड़ानों में होने वाली देरी जैसी परेशानियों से बचने के लिए बुलेट ट्रेन को कहीं अधिक सुविधाजनक पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताकर कहा कि भविष्य में इन रूटों पर 99 प्रतिशत यात्रा रेलवे के माध्यम से ही होगी, जिससे हवाई यात्रा की प्रासंगिकता करीब खत्म हो जाएगी।रेल मंत्री वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी योजना के वित्तीय पहलू पर भी प्रकाश डाला, बताया कि भारत सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। इस परियोजना का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय कंपनियों और सप्लायर्स को मिलेगा, जिससे देश में रोजगार के नए मौके पैदा होने और विनिर्माण क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री-नेताओं के काफिले पर पाबंदी, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद हों

-पीएम मोदी की अपील पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर, कर दी तीन मांगें

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनियाभर में जारी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पीएम मोदी ने देशवासियों से सामूहिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ईंधन का संयमित उपयोग किया जाए, साथ ही अगले एक साल तक सोने की खरीद न की जाए। पीएम मोदी की इस अपील पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) गुट की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पीएम मोदी का नाम न लेते हुए कहा कि सेंट्रल एशिया में जारी संघर्ष को संभालने में नीतिगत विफलता के चलते चुनाव संबंधी निर्णयों का बोझ अब नागरिकों पर नहीं डाला जा सकता और उनसे तेल बचाने या यात्रा कम करने को नहीं कहा जा सकता। चतुर्वेदी ने कहा कि नागरिक पहले से ही इस सरकार के चुनावी नीतियों पर केंद्रित शासन और पुरस्कार बटोरने वाली विदेश नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। इसके साथ शिवसेना नेता अपने एक्स से देश वासियों को कुछ सुझाव भी शेयर किए, जिनमें मंत्री और नेताओं के लंबे काफिले पर पाबंदी लगाना, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद करना, बड़े शपथ ग्रहण समारोह पर पाबंदी हो, सिर्फ उब्ल्यूएचएफ यानी वॉच फ्रॉम होम करना शामिल है।

बता दें पीएम मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल-पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। उन्होंने लोगों से एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्वाह को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। निजी वाहनों के इस्तेमाल में कार-पूलिंग अपनाएं। माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता दें और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दें। पीएम मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनाए गए कार्यकुशल उपायों को दोबारा लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्क-फ्रॉम-होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल बैठकों जैसी व्यवस्थाएं न केवल समय और संसाधनों की बचत करती हैं, बल्कि ईंधन की खपत भी कम करती हैं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं, जैसे जूते, बैग और अन्य सामान, के लिए स्थानीय और 'मेड-इन-इंडिया' उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल देश में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि विदेशी आयात पर निर्भरता भी कम होगी। पीएम मोदी ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को 50 फीसदी तक कम करने और प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से क्यों कहा- सोना मत खरीदो, गाड़ी कम चलाओ?

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान अमेरिका युद्ध और दुनिया भर में बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि वे अगले एक साल तक सोना खरीदने से बचें, गैर जरूरी विदेश यात्राएं टालें, पेट्रोल डीजल की खपत कम करें और जहां संभव हो घर से काम करें। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने और बढ़ते आर्थिक दबाव से निपटने के लिए जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में भारतीय जनता पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक संकट के इस दौर में भारत को हर संभव तरीके से विदेशी मुद्रा बचानी होगी। उन्होंने कहा कि देश को कोरोना काल की तरह फिर से ईंधन बचत और मितव्ययिता की आदतें अपनानी चाहिए।

तेल संकट ने क्यों बढ़ाई चिंता?

ईरान अमेरिका युद्ध के चलते दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बना हुआ है। यही समुद्री रास्ता वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा केंद्र माना जाता है। युद्ध के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है और कच्चे तेल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं।

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। ऐसे में तेल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। रुपये पर दबाव बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार फरवरी 2026 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 728 अरब डॉलर था, जो अप्रैल तक घटकर करीब 691 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी चेतावनी दी है कि भारत का चालू खाता घाटा 2026 में बढ़कर 84.5 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

सोना भारत के लिए इतनी बड़ी चुनौती क्यों?

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना खरीदने वाला देश है। भारत में इस्तेमाल होने वाला अधिकांश सोना विदेशों से आयात किया जाता है और उसका भुगतान डॉलर में किया जाता है। भारतीय समाज में सोना केवल निवेश नहीं बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा, शादी विवाह, धार्मिक परंपरा और आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण भारत में हर साल भारी मात्रा में सोने की खरीद होती है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने लगभग 72 अरब डॉलर का सोना आयात किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत ज्यादा है। भारत का कुल आयात बिल लगभग 775 अरब डॉलर रहा, जिसमें अकेले सोने की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत थी।

सरकार का मानना है कि यदि लोग एक साल तक सोना कम खरीदें तो अरबों डॉलर की बचत हो सकती है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम होगा और तेल जैसी जरूरी चीजों के आयात के लिए डॉलर बचाए जा सकेंगे।

अगर लोग सोना खरीदना कम कर दें तो क्या होगा?

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारतीय एक साल तक सोने की खरीद में भारी कमी कर दें तो भारत अरबों डॉलर बचा सकता है। अनुमान है कि यदि सोने के आयात में 30 से 40 प्रतिशत तक गिरावट आती है तो 20 से 25 अरब डॉलर तक की बचत हो सकती है। यदि आयात आधा रह जाए तो लगभग 36 अरब डॉलर बच सकते हैं।

इसका सीधा मतलब है कि भारत से बाहर जाने वाले डॉलर में भारी कमी आ सकती है। इससे रुपये पर दबाव कम होगा और विदेशी मुद्रा भंडार को राहत मिलेगी।

ईरान युद्ध का इससे क्या संबंध है?

अमेरिका ईरान तनाव और युद्ध ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों को प्रभावित किया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है।

युद्ध के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। इसके साथ ही युद्ध के समय लोग सोने को सुरक्षित निवेश मानकर ज्यादा खरीदते हैं। इससे सोने की कीमत बढ़ती है, आयात बढ़ता है और डॉलर की मांग बढ़ जाती है।

भारत पर दोहरा दबाव बनता है। एक तरफ महंगा तेल आयात करना पड़ता है और दूसरी तरफ महंगा तथा ज्यादा सोना आयात करना पड़ता है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये दोनों पर दबाव बढ़ता है।

प्रधानमंत्री ने गाड़ी कम चलाने की अपील क्यों की?

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से कहा कि वे पेट्रोल-डीजल का कम उपयोग करें, सार्वजनिक परिवहन का ज्यादा इस्तेमाल करें, कार साझा करने की व्यवस्था अपनाएं और जहां संभव हो घर से काम करें।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भारत ने घर से काम, आभासी बैठकें और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसे तरीके सफलतापूर्वक अपनाए थे। अब ईंधन बचाने के लिए इन्हें फिर से अपनाने की जरूरत है।

सरकार का मानना है कि यदि ईंधन की खपत कम होगी तो तेल आयात बिल घटेगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

विदेश यात्रा और विदेशी शादियों पर भी चिंता

प्रधानमंत्री ने मध्यम वर्ग में बढ़ती विदेशी यात्राओं और विदेश में शादी करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर भी चिंता जताई। उन्होंने लोगों से कम से कम एक साल तक गैर-जरूरी विदेश यात्राएं टालने की अपील की।

उन्होंने कहा कि विदेश में छुट्टियां मनाना, विदेश में शादी करना और विदेशी खर्च बढ़ाना भारत से डॉलर बाहर जाने का बड़ा कारण बन रहा है।

लोगों को निवेश कहां करने की सलाह?

आर्थिक विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि लोग फिजिकल सोना खरीदने की बजाय व्यवस्थित निवेश योजना, डिजिटल सोना और स्वर्ण आधारित निवेश विकल्पों को अपनाएं। इससे पैसा भारतीय वित्तीय व्यवस्था के भीतर रहेगा और विदेशी मुद्रा पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा।

किन क्षेत्रों पर दिखा असर?

प्रधानमंत्री की अपील के बाद ट्रैवल, एयरलाइंस, होटल और पेट्रोलियम क्षेत्रों में असर देखने को मिला। विदेशी यात्रा कम होने की आशंका से पर्यटन उद्योग को चिंता है। वहीं ईंधन बचत की अपील के कारण तेल कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया।

प्रधानमंत्री ने खाने के तेल और रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग की भी बात कही। सरकार का मानना है कि भारत को वैश्विक संकट के समय आत्मनिर्भरता और आर्थिक संयम की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

क्या भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है?

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत फिलहाल श्रीलंका या पाकिस्तान जैसी स्थिति में नहीं है, क्योंकि देश के पास अभी भी बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार और मजबूत अर्थव्यवस्था है।

लेकिन यदि ईरान युद्ध लंबा चला, तेल की कीमतें लगातार ऊंची रहीं और डॉलर का बहिर्वाह बढ़ता रहा तो भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव और बढ़ सकता है।

इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी की यह अपील केवल सोना खरीदने या गाड़ी कम चलाने की सलाह नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे वैश्विक आर्थिक संकट के बीच भारत की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी बड़ी चेतावनी माना जा रहा है।

भारत का कुल आयात बिल FY26 में लगभग 775 अरब डॉलर रहा। इनमें चार प्रमुख वस्तुओं पर 240 अरब डॉलर से अधिक खर्च हुए:

- कच्चा तेल - 134.7 अरब डॉलर
- सोना - 72 अरब डॉलर
- वनस्पति तेल - 19.5 अरब डॉलर
- उर्वरक - 14.5 अरब डॉलर

ये चार वस्तुएं भारत के कुल आयात का लगभग 31.1 प्रतिशत हिस्सा हैं। अकेले सोना कुल आयात बिल का लगभग 10 प्रतिशत है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने इन वस्तुओं के उपयोग को कम करने की अपील की है।

भारत में होगा बिग कैट अलायंस का वैश्विक महाकुंभ, जी-20 की तर्ज पर जुटेंगे दुनिया भर के देश

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। भारत एक बार फिर वैश्विक स्तर पर बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी करने जा रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद अब भारत में इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन 2026 आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुनिया भर के बिग कैट रेंज देशों के शामिल होने की संभावना है। इस सम्मेलन को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र का सबसे बड़ा वैश्विक मंच माना जा रहा है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस महत्वाकांक्षी सम्मेलन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत केवल आर्थिक और कूटनीतिक नेतृत्व ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में भी वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाना चाहता है। भूपेंद्र यादव ने बताया कि इस शिखर सम्मेलन में दुनिया के लगभग 95 बिग कैट रेंज देशों को आमंत्रित किया गया है। ये वे देश हैं जहां बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा जैसी बड़ी बिल्ली प्रजातियां पाई जाती हैं। सूत्रों के अनुसार अब तक 14 देशों ने सम्मेलन में भाग लेने की पुष्टि भी कर दी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसपी यादव ने एक विस्तृत प्रेजेंटेशन पेश किया, जिसमें इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस की रूपरेखा, इसके उद्देश्य और वैश्विक संरक्षण रणनीति की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि तेजी से बदलते पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, अवैध शिकार और मानव वन्यजीव संघर्ष के कारण बड़ी बिल्ली प्रजातियों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में वैश्विक सहयोग बेहद जरूरी हो गया है।

एसपी यादव ने कहा कि भारत ने बाघ संरक्षण के क्षेत्र में दुनिया के सामने एक सफल मॉडल पेश किया है। प्रोजेक्ट टाइगर की सफलता के बाद भारत अब वैश्विक स्तर पर बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण के लिए साझा रणनीति बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन केवल वन्यजीव संरक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पर्यावरणीय कूटनीति, जैव विविधता संरक्षण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का भी बड़ा मंच बनेगा।

सरकार का कहना है कि यह शिखर सम्मेलन कई मायनों में जी-20 जैसा होगा। जिस तरह ॠ20 नई दिल्ली सममिट के जरिए भारत ने वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक नेतृत्व का संदेश दिया था, उसी तरह बिग कैट अलायंस सम्मेलन के जरिए भारत पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा।

सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, वन मंत्री, वैज्ञानिक, संरक्षण विशेषज्ञ, पर्यावरणविद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। इस दौरान वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण समझौते और साझा घोषणाएं भी सामने आ सकती हैं।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि बड़ी बिल्ली प्रजातियां केवल जंगलों की शान नहीं हैं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन की प्रतीक हैं। यदि इनका संरक्षण होगा तो जंगल, जल स्रोत, जैव विविधता और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की सोच के साथ इस वैश्विक अभियान को आगे बढ़ा रहा है।

सूत्रों के अनुसार नई दिल्ली में होने वाले इस सम्मेलन के दौरान दिल्ली घोषणा पत्र भी जारी किया जा सकता है। इसमें अवैध वन्यजीव व्यापार रोकने, सीमा पार संरक्षण सहयोग बढ़ाने, वन्यजीव गलियारों को सुरक्षित करने और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित प्रजातियों की रक्षा जैसे मुद्दों पर वैश्विक सहमति बनाने की कोशिश होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह सम्मेलन भारत की ग्रीन डिप्लोमेसी को नई पहचान देगा। जी-20 के बाद यह पहला मौका होगा जब भारत किसी पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच की मेजबानी करेगा। इससे न केवल भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत होगी, बल्कि वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में भी भारत की भूमिका और प्रभाव बढ़ेगा।

नगर आयुक्त ने निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण, रफ्तार बढ़ाने के अधिकारियों को दिए निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक लगातार शहर में चल रहे कार्यों का औचक निरीक्षण कर रहे है। सोमवार को उन्होंने निर्माण कार्यों का जायजा लिया। मोहन नगर जोन अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। सिटी तथा मोहन नगर जोन के सड़क निर्माण फुटपाथ निर्माण के कार्यों का जायजा लिया गया। नगर आयुक्त के औचक निरीक्षण से निगम अधिकारियों की रफ्तार भी बढ़ रही है। अवर अभियंता से लेकर विभाग अधिकारी भी चल रहे कार्यों का निरीक्षण करते हुए दिखाई दे रहे हैं। नगर आयुक्त के औचक निरीक्षण से विभागों में खलबली मची हुई है और कार्यों की मॉनीटरिंग भी प्रबल हो रही है। औचक निरीक्षण में मोहन नगर जोन के कार्यों का जायजा लिया गया। हिंडन एयर फोर्स से लेकर मोहन नगर चौराहा, हिंडन एयर फोर्स से लेकर भोपुरा, हिंडन एयर फोर्स से लेकर एलिवेटेड रोड का जायजा लिया गया। अधिकारियों की टीम भी मौके पर तेजी से पहुंची। मुख्य मार्ग के साथ फुटपाथ का जायजा लिया गया। फुटपाथ के साथ-साथ ग्रिल साइड पटरी का भी जायजा लिया। नागद्वार से लेकर एलिवेटेड मार्ग को देखकर

नगर आयुक्त ने संतुष्टि जाहिर की वही सी एम ग्रिड के अंतर्गत मोहन नगर चौराहे से हिंडन एयर फोर्स तक चल रही कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की और रफ्तार बढ़ाने के निर्देश दिए। मरम्मत के कार्यों को तत्काल प्रभाव से करने के लिए कहा, जिसमें टूटी हुई ग्रिल को तत्काल ठीक करने के लिए निर्देशित किया गया। मौके पर मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, अधिशासी अभियंता निर्माण विपुल, अवर अभियंता विनोद व निर्माण विभाग के सुपरवाइजर व टीम उपस्थिति रहे।

शिक्षित बेटी बदलती है समाज की दिशा: राजीव गर्ग

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र की बेटियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को मेपल्स ग्रुप ऑफ हायर एजुकेशन गर्ल्स कॉलेज का शुभारंभ किया गया। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और विधि विधान के साथ यज्ञ हवन कर किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोगों एवं शिक्षाविदों की उपस्थिति रही। कॉलेज में आयोजित यज्ञ का संचालन पंडित विवेकमणि शर्मा ने कराया। इस अवसर पर कॉलेज की डायरेक्टर दिव्या जैन ने कॉलेज के उद्देश्य और भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि 12वीं के बाद क्षेत्र की अनेक छात्राओं को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता है, जिसके कारण कई बार उनकी पढ़ाई बीच में ही रुक जाती है। उन्होंने कहा कि कॉलेज का उद्देश्य कस्बे एवं ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों को सुरक्षित वातावरण में आधुनिक सुविधाओं से युक्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि छात्राओं को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके। कॉलेज प्रबंधक राजीव गर्ग ने कहा कि एक शिक्षित बेटी केवल अपने परिवार ही नहीं बल्कि पूरे समाज की दिशा बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रयास रहेगा कि आर्थिक या भौगोलिक कारणों से किसी भी प्रतिभाशाली बेटी की शिक्षा अधूरी न रहने पाए। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध कराने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान कपिल मित्तल, अनन्या गर्ग, नीरज लोमस, ऋतु मनचंदा सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पीटीए शुल्क को लेकर इंटर कॉलेज में हंगामा, अभिभावकों ने जताया विरोध

मोदीनगर (शिखर समाचार)। पतला स्थित चौधरी चरण सिंह इंटर कॉलेज में सोमवार को छात्रों से लिए जा रहे पीटीए शुल्क को लेकर अभिभावकों ने जमकर हंगामा किया। बड़ी संख्या में अभिभावक कॉलेज पहुंच गए और प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। अभिभावकों का आरोप था कि सरकार द्वारा फीस माफ किए जाने के बावजूद प्रत्येक छात्र से पीटीए के नाम पर एक हजार रुपये वसूले जा रहे हैं, जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर इसका अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। मामले को लेकर जब प्रधानाचार्य से बातचीत की गई तो वह अभिभावकों को संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और अभिभावकों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने का प्रयास किया।

राशन में कटौती और पुष्टाहार न मिलने पर महिलाओं का तहसील में हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। तहसील क्षेत्र के सिखेड़ा हजारी गांव की महिलाओं ने सोमवार को तहसील मुख्यालय पहुंचकर राशन वितरण में अनियमितताओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि गांव का राशन डीलर राशन देने में आनाकानी करता है और निर्धारित मात्रा से कम राशन वितरित किया जाता है। महिलाओं का कहना था कि पिछले एक वर्ष से आंगनबाड़ी केंद्र से मिलने वाला पुष्टाहार भी नहीं दिया गया। शिकायत करने पर केवल एक माह का पुष्टाहार उपलब्ध कराया गया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि राशन डीलर बिना राशन दिए ही वितरण दर्शाकर राशन भेज देता है। मामले को लेकर महिलाओं ने नए तहसीलदार को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की। नायब तहसीलदार ने महिलाओं को मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एशियन गेम्स में भानु प्रताप तोमर ने जीता रजत पदक, डीएम ने किया सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ निवासी कबड्डी खिलाड़ी भानु प्रताप तोमर ने एशियन गेम्स में रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। भारतीय टीम में रेडर के रूप में चयनित होने पर सोमवार को डीएम कविता मीना ने उन्हें सम्मानित किया। जिला क्रीड़ा अधिकारी अरूणा ने बताया कि भानु प्रताप ने आंध्र प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया था। हालांकि उनकी टीम क्वार्टर फाइनल में हार गई थी, लेकिन उनके शानदार प्रदर्शन, तकनीक और खेल कौशल से प्रभावित होकर चयनकर्ताओं ने उन्हें भारतीय टीम के कैंप के लिए चुना। इसके बाद गांधीनगर स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में एक माह का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। अंतिम चयन ट्रायल में भानु प्रताप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में रेडर के रूप में अपनी जगह पक्की की। डीएम कविता मीना ने उनकी उपलब्धि को जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में स्वर्ण पदक जीतने की शुभकामनाएं दीं।

ऑपरेशन सवेरा में बड़ा खुलासा, 40 लाख के नशीले कैप्सूल बरामद

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शहर में प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की सप्लाई करने वाले एक बड़े गिरोह का खुलासा करते हुए थाना खालापार पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे और निशानदेही पर 22 कार्टून में भरे 4 लाख 72 हजार 800 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बरामद किए हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में एक मुख्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने बताया कि थाना खालापार पुलिस मिनाक्षी चौक पर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान स्कूटी पर सवार दो युवक एक कार्टून लेकर आते दिखाई दिए। पुलिस को शक होने पर दोनों को रोककर तलाशी ली गई तो उनके पास से प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बरामद हुए। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने गांधी नगर स्थित एक मकान में भारी मात्रा में नशीली दवाइयों का जखीरा छिपाकर रखने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने अतिरिक्त बल के साथ गांधी नगर स्थित मकान पर छापा मारा। यहां से

चार अन्य युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। मकान की तलाशी के दौरान पुलिस को 22 कार्टून में पैक लाखों प्रतिबंधित कैप्सूल मिले। पुलिस के अनुसार बरामद दवाइयों में ट्रामाडोल हाईड्रोक्लोराइड और डाईक्लोमाइन हाईड्रोक्लोराइड साल्ट का इस्तेमाल किया गया था, जिनका दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है। गिरफ्तार आरोपियों में गांधी नगर निवासी अनंत, जनकपुरी निवासी मोहित पाल और सुमित, भोकरहेड़ी निवासी अंकित तथा गढ़ी रसूलपुर निवासी सलीम और लवीश शामिल हैं। वहीं खतौली निवासी अश्वनी शर्मा को इस पूरे नेटवर्क का मुख्य सप्लायर बताया जा रहा है, जो फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे लंबे समय से प्रतिबंधित दवाइयों की सप्लाई कर रहे थे। गिरोह ब्लैक मार्केट से कैप्सूल खरीदकर अलग-अलग क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर बेचता था। युवाओं में नशे के लिए इन कैप्सूलों की बढ़ती मांग के कारण यह अवैध कारोबार तेजी से फैल रहा था। यह कार्रवाई ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में की गई। अभियान में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा तथा प्रभारी निरीक्षक बबूल सिंह वर्मा के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम में उपनिरीक्षक असगर अली, हेड कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, शिवओम भाटी, सोनू कुमार, अनिल कुमार तथा कांस्टेबल मनेन्द्र कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रेवेन्यू बार एसोसिएशन चुनाव में हरदयाल सिंह सोढ़ी अध्यक्ष और चौधरी फूल सिंह निर्विरोध महामंत्री चुने गए

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। रेवेन्यू बार एसोसिएशन के वर्ष 2026 के वार्षिक चुनाव में इस बार बड़ा उलटफेर देखने को मिला। पूरी कार्यकारिणी का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। एल्डर कमेटी ने आधिकारिक रूप से विजयी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 13 मई को आयोजित किया जाएगा।

एल्डर कमेटी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुनील कुमार विश्नोई तथा सदस्य जगदेव प्रसाद और सतीश कुमार ने चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए हरदयाल सिंह सोढ़ी, फूल सिंह और सलीमुद्दीन ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। जांच के दौरान फूल सिंह और सलीमुद्दीन के नामांकन पत्र निरस्त हो गए, जिसके बाद हरदयाल सिंह सोढ़ी को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।

महामंत्री पद पर चौधरी फूल सिंह और कमल कुमार के बीच मुकाबला माना

चौधरी फूल सिंह

हरदयाल सिंह

जा रहा था, लेकिन कमल कुमार द्वारा नाम वापस लेने के बाद चौधरी फूल सिंह को निर्विरोध महामंत्री निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

एसोसिएशन के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी किसी प्रकार का मुकाबला नहीं हुआ। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर महावीर सिंह सैनी के खिलाफ कोई अन्य प्रत्याशी मैदान में नहीं उतरा। वहीं संयुक्त सचिव पद के लिए आयशा रजा का अकेला नामांकन पत्र दाखिल हुआ। एकल नामांकन होने के कारण दोनों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। निर्वाचित पदाधिकारियों को साथियों और समर्थकों ने बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। आगामी 13 मई को आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

हथियार के बल पर क्रॉसिंग क्षेत्र में हुई कैश वैन की लूट का पुलिस ने किया खुलासा, 2 अभियुक्त गिरफ़्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बीती 6 मई 2026 को थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में हुई कैश वैन की लूट का स्वाट टीम क्राइम ब्रांच और क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सोमवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस संबंध में 2 अभियुक्त मोहम्मद कैफ और मोहम्मद रिजवान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर 8 लाख 6 हजार रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त बलेनो कार, अवैध अस्लहा व कुल्हाड़ी बरामद की। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि घटना की सूचना मिलती ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी और घटना का खुलासा करने के लिए 8 टीमों का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया था, जिससे पूछताछ में कई अभियुक्तों के नाम सामने आए थे। अभियुक्त से मिला लीड के आधार पर दूसरे अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। दोनों से लूटी गई नगदी भी बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने अपने 6 साथियों के साथ मिलकर लूट की घटना का षड्यंत्र रचा था। लूट करने के लिए वह पिछले 6 महीने से वैन की रैकी कर रहे थे। पहले भी कई बार उन्होंने लूट करने का प्रयास किया था लेकिन जगह सही नहीं होने के कारण वह वारदात को अंजाम नहीं दे पाए थे। जब वह बाईपास पर एटीएम पर कैश डालने के लिए गए थे तो इसी दौरान उन्होंने ड्राइवर को असलाह दिखाते हुए वैन को लूट लिया था। वैन को लूटने के बाद वह मेरठ की तरफ जाने वाले थे और इसी दौरान उन्होंने कुल्हाड़ी से वैन के अंदर मौजूद सीसीटीवी और जीपीएस को तोड़ दिया था। उनकी बलेनो गाड़ी उनके पीछे चल रही थी। वह मसूरी थाना क्षेत्र में पहुंचे, जहां उन्होंने वैन के अंदर से लगभग 27 लाख रुपए से उड़ा लिए थे और गाड़ी में बैठकर फरार हो गए थे। फरार होने के बाद में मसूरी में एक मकान के अंदर पहुंचे और पैसे का बंटवारा करके अलग-अलग हो गए थे। आपको बता दे कि बीती 6 मई 2026 को थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में हथियार के बल पर कैश वैन की लूट हुई थी। लूट के बाद आरोपी कैश वैन को थाना मसूरी क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए थे और घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम लग गई थी।

व्यापारियों की समस्याओं को लेकर प्राधिकरण वीसी से मिला प्रतिनिधिमंडल, विकास कार्यों का मिला आश्वासन

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा के कपड़ा व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने एचपीडीए के उपाध्यक्ष मुकेश चंद्र से मुलाकात कर टेक्सटाइल कारोबार से जुड़ी मूलभूत समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। व्यापारियों ने टेक्सटाइल मार्केट की जर्जर सड़कों, सफाई व्यवस्था की कमी, पार्किंग समस्या, जल निकासी व्यवस्था के अभाव सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पिलखुवा का टेक्सटाइल उद्योग हजारों लोगों की आजीविका का प्रमुख आधार है, लेकिन सुविधाओं की कमी से कारोबार प्रभावित हो रहा है। व्यापारी नेता पंकज खंडेलवाल, विनीत शर्मा, अंकित कालियान, पी. विकास शर्मा और अमित कालियान ने कहा कि यदि टेक्सटाइल क्षेत्र का सुनियोजित विकास किया जाए और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान हो, तो कारोबार को नई गति मिलेगी तथा नगर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। बैठक के दौरान व्यापारियों ने क्षेत्र में जल्द विकास कार्य शुरू कराने, यातायात व्यवस्था सुधारने और व्यापारिक क्षेत्र को सुविधायुक्त बनाने की मांग की। इस पर उपाध्यक्ष मुकेश चंद्र ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई और विकास कार्यों में तेजी लाने का आश्वासन दिया।

दूधेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, सोमवार को देर रात तक गूंजते रहे भोलेनाथ के जयकारे

गाजियाबाद। (शिखर समाचार) गाजियाबाद स्थित प्राचीन और प्रसिद्ध दूधेश्वर नाथ मंदिर में सोमवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं, जो देर रात तक जारी रहीं। भगवान शिव के दर्शन, जलाभिषेक और विशेष पूजा अर्चना के लिए गाजियाबाद ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। पूरे मंदिर परिसर में हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिर परिसर रंग बिरंगे फूलों, बेलपत्रों और धार्मिक सजावट से सजा हुआ दिखाई दिया। सोमवार के विशेष अवसर पर श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और फूल अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन किया। मंदिर प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग, पेयजल और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई

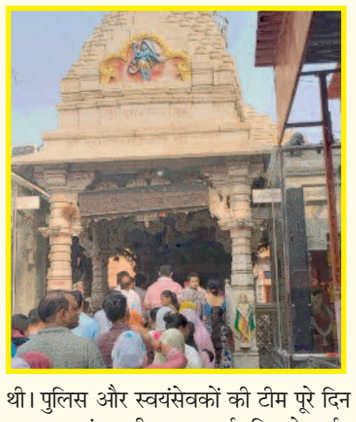

थी। पुलिस और स्वयंसेवकों की टीम पूरे दिन व्यवस्था संभालती नजर आई, जिससे दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। मंदिर परिसर में पूजा सामग्री और फूल-पत्ती की दुकान लगाने वाले मिथुन, राजू और पंकज ने बताया कि सोमवार के दिन सुबह चार बजे से ही

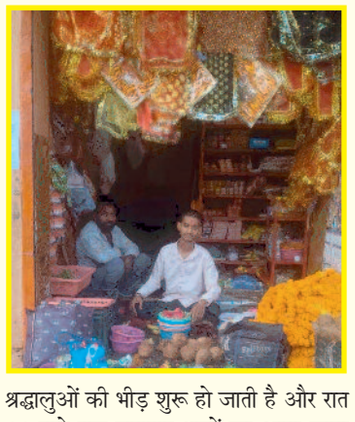

श्रद्धालुओं की भीड़ शुरू हो जाती है और रात 11 बजे तक लगातार भक्तों का आना-जाना लगा रहता है। उन्होंने बताया कि सोमवार के दिन इतनी अधिक भीड़ होती है कि उन्हें आराम करने तक का समय नहीं मिल पाता। श्रद्धालु पूजा सामग्री, फूल-मालाएं, प्रसाद और बेलपत्र खरीदकर भगवान शिव का पूजन करते नजर आए। मंदिर पहुंचे श्रद्धालु रवि शर्मा, दीपक त्यागी, मोहित चौधरी और सोनू ने बताया कि दूधेश्वर नाथ मंदिर में दर्शन करने से मन को शांति मिलती है और हर सोमवार यहां आकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने का अलग ही आनंद होता है। श्रद्धालुओं ने मंदिर की व्यवस्थाओं की भी सराहना की और कहा कि यहां का आध्यात्मिक वातावरण लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। दूधेश्वर नाथ मंदिर मठ के महंत नारायण गिरी द्वारा सोमवार को विशेष रुद्राभिषेक और पूजा-अर्चना कराई गई। महंत नारायण गिरी ने भगवान शिव से प्रदेश और देश में सुख समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की भक्ति से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है और समाज में भाईचारे की भावना मजबूत होती है। सोमवार के दिन मंदिर परिसर देर रात तक भक्तों की आस्था, भक्ति और शिवमय वातावरण से सराबोर दिखाई दिया।

गुरु रत्न टीचर्स अवॉर्ड्स 2026 में 500 शिक्षकों का सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती मेडिकल कॉलेज में आयोजित गुरु रत्न टीचर्स अवॉर्ड्स 2026 नॉर्थ एडिशन समारोह में उत्तर भारत के लगभग 500 शिक्षकों, शिक्षाविदों और विद्यालय प्रमुखों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. जे. रामचंद्रन मैरीटाइम फाउंडेशन द्वारा सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एवं एएमईटी यूनिवर्सिटी, चेन्नई के सहयोग से आयोजित किया गया। समारोह में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार सहित विभिन्न राज्यों से आए शिक्षकों को शिक्षा, शैक्षणिक नेतृत्व और छात्र विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सीनियर एडवाइजर डॉ. आर.के. सहगल ने कहा कि

शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला हैं तथा उनके योगदान को सम्मानित करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं वाइस चेयरमैन रम्या रामचंद्रन ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षक ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं।

मुख्य अतिथि डीआईओएस डॉ. श्वेता पूठिया ने शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा, नवाचार और छात्र-केंद्रित शिक्षण प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विभिन्न राज्यों से आए शिक्षकों के बीच आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल शिक्षा और छात्र विकास जैसे विषयों पर चर्चा भी की गई।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ पहुंचे जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

लखनऊ, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शनिवार को लखनऊ पहुंचे। उनका लखनऊ आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। राज्यसभा सांसद संजय सेठ के आवास पर भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने उनका अभिनंदन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उपराज्यपाल का स्वागत किया। राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे। राज्यसभा सांसद बाबू राम निषाद, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। महापौर सुषमा खर्कवाल और पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उपराज्यपाल का स्वागत किया।

पेटेंट कानून और कॉपीराइट संरक्षण पर चर्चा

लखनऊ, एजेंसी। रिवर बैंक कॉलोनी के इंजीनियर्स भवन में शनिवार को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) यूपी स्टेट सेंटर की ओर से पेटेंट लॉ एवं कॉपीराइट सुरक्षा विषय पर व्याख्यान कार्यशाला का आयोजन हुआ। अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. भारत राज सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के तकनीकी व्याख्यान अभियंताओं, विद्यार्थियों और उद्योग जगत के लिए उपयोगी है। मुख्य वक्ता के रूप में सॉलिसिटेशन एवं आर्ग्युइंग काउंसिल उच्च न्यायालय इलाहाबाद लखनऊ पीठ के अधिवक्ता राज विक्रम सिंह ने पेटेंट कानून एवं कॉपीराइट संरक्षण से जुड़े विभिन्न जानकारियां दीं। बौद्धिक संपदा अधिकार नवाचार को बढ़ावा देने के साथ ही रचनात्मक कार्यों की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। संयोजक इंजीनियर केपी त्रिपाठी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन संस्था के मानद सचिव इंजीनियर एनके निषाद ने किया।

ताजमहल में सैलानियों की संख्या होगी तय, आईआईटी दिल्ली की टीम ने किया निरीक्षण

आगरा, एजेंसी। ताजमहल में सैलानियों की संख्या एक बार में कितनी रहे, यह तय करने के लिए शनिवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) दिल्ली की टीम के सदस्यों के साथ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारी आगरा आए। उन्होंने ढाई घंटे तक ताजमहल पर रहकर सर्वे किया और पर्यटकों की आवाजाही के साथ उनके ज्यादा देर तक ठहरने के स्थानों का जायजा लिया। नीरी के बाद ताजमहल में आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ शनिवार को निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के उत्तरी क्षेत्र के निदेशक वसंत कुमार स्वर्णकार ने उनके साथ ताजमहल का निरीक्षण किया और प्रवेश द्वार से लेकर मुख्य मकबरे तक पर्यटकों के आने-जाने, रुकने और फोटोग्राफी के लिए तय स्थानों का भ्रमण कराया। आईआईटी के विशेषज्ञों ने ढाई घंटे तक रुककर यहां सैलानियों की संख्या का आकलन किया और स्मारक के होल्डिंग एरिया देखे। ताज में शनिवार-रविवार को इन दिनों 35 हजार तक पर्यटक पहुंच रहे हैं, जबकि सर्दियों में इनकी संख्या 50 हजार से ज्यादा पहुंच जाती है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में भीड़ अधिक होने पर तैयार रखें वैकल्पिक मार्ग

वाराणसी, एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन व्यवस्था और यातायात नियंत्रण को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शनिवार को अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय शिवहरी मीणा ने मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और बच्चों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। भीड़ अधिक होने की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग और अतिरिक्त पुलिस बल पहले से तैयार रखने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, लाइन प्रबंधन, सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की आवाजाही का जायजा लिया गया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के बाद अपर पुलिस आयुक्त ने मंदिर के गेट नंबर-4 से मैदागिन चौराहा तक पैदल गश्त कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को परखा। इस दौरान मंदिर के प्रवेश और निकास द्वारों, बैरिकेडिंग, कंट्रोल रूम, ड्यूटी पॉइंट्स और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग व्यवस्था की समीक्षा की गई।गेट नंबर-4 से मैदागिन मार्ग पर अवैध अतिक्रमण, ठेला-खोमचा, अव्यवस्थित पार्किंग और यातायात बाधित करने वाले ई-रिक्शा एवं ऑटो के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित पैदल गश्त और मोबाइल पेट्रोलिंग बढ़ाने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त काशी गौरव बंसवाल, पुलिस उपायुक्त सुरक्षा अनिल कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा नियमों और यातायात व्यवस्था का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

ईवी चार्जिंग से कमाई का गणित समझा

एआई आधारित माइक्रो इनवर्टर लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे

लखनऊ, एजेंसी। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी एनर्जी एक्सपो-2026 का शनिवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय एक्सपो में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन और एआई आधारित माइक्रो इनवर्टर लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। बड़ी संख्या में लोगों ने चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने में आने वाली लागत, आवश्यक स्थान और संभावित आय की जानकारी जुटाई। वहीं, माइक्रो इनवर्टर, हाइब्रिड सोलर सिस्टम और ऊर्जा प्रबंधन से जुड़े उत्पादों के स्टालों पर पूरे समय भीड़ रही। पीएचडीसीसीआई और फर्स्ट व्यू की ओर से आयोजित एक्सपो को यूपीनेडा, इन्वेस्ट यूपी और यूपीपीसीएल का सहयोग मिला। एक्सपो में तीन दिनों के दौरान 10 हजार से अधिक लोग पहुंचे। इसमें देश की प्रमुख कंपनियों ने फ्लीट इलेक्ट्रिफिकेशन, स्मार्ट ग्रिड और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

यूपी स्टेट चैप्टर, पीएचडीसीसीआई के सह-अध्यक्ष राजेश निगम ने कहा कि एक्सपो को उद्योग जगत और आम लोगों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। वहीं, सीनियर रीजनल डायरेक्टर अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि यह आयोजन उद्योग सहयोग, नीति संवाद, नवाचार और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी व अक्षय ऊर्जा में निवेश के लिए महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है।

अंतिम दिन आयोजित पहले सत्र में प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे ईवी इको-सिस्टम, सरकारी नीतिगत समर्थन, ईवी निर्माण की संभावनाओं और बैटरी तकनीक के विकास पर चर्चा हुई। दूसरे सत्र में शहरी और आवासीय क्षेत्रों में एकीकृत ईवी चार्जिंग संसाधनों के विकास, सार्वजनिक चार्जिंग विस्तार, डिस्कॉम की तैयारियों, स्मार्ट चार्जिंग सिस्टम, फाइनेंसिंग मॉडल और उपयोगकर्ता केंद्रित नेटवर्क पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

मध्यम चार्जिंग स्टेशन के सेटअप पर 10 से 25 लाख रुपये तक का आता है खर्च : टाटा पावर के सहयोग से चार्जिंग स्टेशन स्थापित कराने वाली कंपनी के स्टॉल पर पूरे दिन लोगों की भीड़ रही। कंपनी प्रतिनिधि विनोद ने बताया कि 20 हजार से दो लाख रुपये तक के निवेश में 3.4, 7.4 और 11 किलोवॉट क्षमता के छोटे चार्जिंग स्टेशन लगाए जा सकते हैं। 30 से 60 किलोवॉट क्षमता वाले मध्यम सेटअप पर 10 से 25 लाख रुपये तक का खर्च आता है। हाईवे और प्रीमियम चार्जिंग स्टेशन के लिए करीब 25 लाख रुपये तक निवेश करना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि चार्जिंग स्टेशन के लिए 500 से 2000 वर्ग फीट तक जमीन की जरूरत होती है और जितनी क्षमता का स्टेशन होगा, उसी अनुसार कॉमर्शियल बिजली कनेक्शन भी लेना होगा। प्रति यूनिट खर्च पर करीब 10 रुपये तक की बचत और प्रतिदिन पांच वाहनों की चार्जिंग पर लगभग 50 हजार रुपये मासिक आय की संभावना बताई गई। तीन दिनों में 50 से अधिक लोगों ने चार्जिंग स्टेशन संबंधी जानकारी ली, जबकि 60 किलोवॉट क्षमता वाले एक स्टेशन की बुकिंग भी हुई।

एआई आधारित माइक्रो इनवर्टर ने खींचा ध्यान : सोलर एनर्जी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी के एआई आधारित 500 और 1000 किलोवॉट माइक्रो इनवर्टर भी आकर्षण का केंद्र रहे। कंपनी के सीसीओ सचिन राणे ने बताया कि एआई आधारित माइक्रो इनवर्टर खुद तय करता है कि पीक आवर्स में बिजली के बजाय सौर ऊर्जा के उपयोग से अधिक लाभ कैसे लिया जा सकता है। कंपनी ने 370, 400 और 500 किलोवॉट क्षमता वाले नए इनवर्टर भी लॉन्च किए हैं। कंपनी का दावा है कि 500 किलोवॉट क्षमता का इनवर्टर फिलहाल केवल उनकी कंपनी ने ही बाजार में उतारा है।

कपड़े पर मीट गिरा तो भिड़ गए घराती-बराती, लाठी-डंडों से पीटकर हत्या

गोरखपुर, एजेंसी। शाहपुर क्षेत्र में शुक्रवार देर रात मामूली विवाद में बारात में आए सुमित कुमार (25) की हत्या कर दी गई। सुमित के भाई की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार लिया है। वहीं, शनिवार को एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने लापरवाही के आरोप में मोहनापुर के चौकी इंचार्ज साहब सिंह को निलंबित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके की आवास विकास कॉलोनी स्थित मलिन बस्ती निवासी समीर कुमार की शादी जंगल तुलसीराम क्षेत्र के बिछिया सिंहासनपुर निवासी जितेंद्र कुमार की बेटी फलक से तय हुई थी। शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे बारात बिछिया के आदर्शनगर स्थित मैरिज हॉल पहुंची। स्वागत और द्वार पूजा के बाद भोजन शुरू हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नॉनवेज काउंटर पर काफी भीड़ जुट गई। इसी दौरान धक्का लगने से बराती सुमित कुमार के कपड़ों पर चिकन गिर गया। इसपर दूसरे पक्ष के युवक से उनकी कहासुनी शुरू हो गई। कुछ ही मिनटों में विवाद गाली-गलौज और हाथापाई तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि कुछ लोग नशे में भी थे। इससे माहौल और बिगड़ गया। बेल्ट, लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने लगे। इसी दौरान सुमित कुमार की हमलावरों ने लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल सुमित को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मारपीट में छह लोग घायल हुए हैं।

पैरवी सही और प्रभावी हो तो ट्रिब्यूनल न्याय देने के लिए तैयार

लखनऊ, एजेंसी। बहुप्रतीक्षित जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल की शुरुआत से पहले शनिवार को ट्रिब्यूनल के जजों और अधिवक्ताओं के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल विषय पर शनिवार को सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एवं यूपी जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल के उपाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार चांधरियावी ने कहा कि अधिवक्ताओं की पेशेवर तैयारी और प्रभावी पैरवी से करदाताओं को अधिक लाभ मिल सकेगा। यदि तथ्यों और कानून के आधार पर सही ढंग से पक्ष रखा जाए तो ट्रिब्यूनल न्याय देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आयोजक व आईसीएआई लखनऊ के चेयरमैन सीए अविनाश जायसवाल ने बताया कि वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद अब नौ साल बाद देशभर में जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल का गठन पूरा हुआ है और जजों की नियुक्तियां भी हो चुकी हैं। एक जुलाई से ट्रिब्यूनल कोर्ट का संचालन शुरू होगा। कार्यक्रम में आईसीएआई के सेंट्रल काउंसिल मेंबर सीए संजीव सिंघल, सचिव आशीष गुप्ता, प्रियंका गर्ग समेत कई विशेषज्ञ और अधिवक्ता मौजूद रहे।

इटावा में लावारिस मिली बांग्लादेशी किशोरी

पुरानी दिल्ली से बागपत का था टिकट, खुफिया टीम कर रही पूछताछ

कानपुर , एजेंसी। इटावा के नगला उदी में एक बांग्लादेशी किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में मिली है, जो पुरानी दिल्ली से बागपत जाने के बजाय भटककर इटावा पहुंच गई। किशोरी के पास से दिल्ली-बागपत का रेल टिकट मिला है और खुफिया टीमें उससे गहन पूछताछ कर रही हैं।

इटावा जिले में थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के ग्राम नगला उदी में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब यूपी-112 के माध्यम से पुलिस को एक संदिग्ध किशोरी के घूमने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब किशोरी को संरक्षण में लेकर पूछताछ की, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। किशोरी ने खुद को बांग्लादेश का निवासी बताया है, जिसके बाद स्थानीय पुलिस के साथ-साथ खुफिया टीम उससे पूछताछ कर रही है।

पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में किशोरी ने बताया कि वह बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में दाखिल हुई थी। पिछले कुछ समय से पुरानी दिल्ली इलाके में रह रही थी। उसने बताया कि वह वापस अपने घर जाना चाहती थी, जिसके लिए पुरानी दिल्ली में किसी परिचित ने उसका बागपत के लिए ट्रेन का टिकट कराया था। हालांकि, वह रास्ता भटक गई और बागपत की जगह इटावा स्टेशन पहुंच गई।

जिला और एलआईयू टीम कर रही है पूछताछ

किशोरी के पास से दिल्ली से बागपत का रेल टिकट बरामद हुआ है, लेकिन वह भारत कैसे पहुंची और दिल्ली में किसके संपर्क में थी। इस पर वह सीमित जानकारी ही दे पा रही है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला और एलआईयू टीम उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह मानव तस्करी से जुड़ा मामला तो नहीं है।

किशोरी को माननीय मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा : ऐसा नहीं है, तो फिर क्या किशोरी अनजाने में सीमा पार कर यहां आई है। एसएसपी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि किशोरी फिलहाल महिला पुलिस की सुरक्षा में है। पुलिस उसके द्वारा दिए गए तथ्यों और यात्रा संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद किशोरी को माननीय मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

बिजली कर्मी बन महिला से की थी लूट, मुठभेड़ में दो शातिर गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी। बांदा जिले के बदौसा थाना क्षेत्र में महिला से लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो अभियुक्तों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में एक अभियुक्त घायल हो गया, जबकि दूसरे को पकड़ा गया है। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने बताया कि थाना बदौसा और एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा यह गिरफ्तारी की गई है। एक मई 2025 को नांदनमऊ में बिजली कर्मी बनकर घर में घुसकर लूट की शिकायत दर्ज हुई थी। ग्राम तुर्रा के पास घेराबंदी करने पर अभियुक्तों ने पुलिस पर फायर किया, जिसके जवाब में मुख्य अभियुक्त आदेश के पैर में गोली लगी। अभियुक्तों के कब्जे से लूट के जेवर, दो तमंचे, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद हुई है। आदेश पर गैंगस्टर एक्ट और अपने चाचा की हत्या के मामले भी दर्ज हैं।

बरेली-मुरादाबाद शिक्षक खंड चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी गंभीर, एमएलसी चुनाव हेतु प्रभारी नियुक्त

बिजनौर (शिखर समाचार)। बरेली मुरादाबाद शिक्षक खंड एमएलसी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव को प्रतिष्ठा का विषय मानते हुए विभिन्न मंडलों और जनपदों में प्रभारी नियुक्त किए हैं। यह निर्णय समाजवादी पार्टी प्रत्याशी मोहम्मद दानिश अख्तर के समर्थन में अधिक से अधिक शिक्षक मतदाता बनवाने, चुनाव अभियान को गति देने तथा संगठनात्मक स्तर पर चुनाव संचालन समितियों के गठन को ध्यान में रखकर लिया गया है।

पार्टी नेतृत्व ने मुरादाबाद मंडल की जिम्मेदारी बिलारी विधायक इरफान फहीम और नजीबाबाद विधायक तसलीम अहमद को सौंपी है। संभल जनपद के लिए पूर्व मंत्री अकीलुर्रहमान को प्रभारी बनाया गया है। बिजनौर जनपद की जिम्मेदारी विधायक पंकज मलिक तथा अमरोहा जनपद के लिए विधायक अतुल प्रधान को सौंपी गई है।

मोहम्मद दानिश अख्तर

इसी प्रकार बरेली मंडल के लिए पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार एवं पूर्व एमएलसी जे.एस. प्रसाद को प्रभारी नियुक्त किया गया है। बदायूं जनपद की जिम्मेदारी शेखूपुर विधानसभा से विधायक हिमांशु यादव को दी गई है, जबकि शाहजहांपुर में कटरा के पूर्व विधायक राजेश यादव को चुनाव संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पीलीभीत जनपद के लिए पूर्व मंत्री अनीस अहमद फूल बाबू को प्रभारी बनाया गया है। समाजवादी पार्टी ने बरेली एवं मुरादाबाद मंडल के सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय कर शिक्षक मतदाताओं के बीच व्यापक संपर्क अभियान चलाएं और पार्टी प्रत्याशी मोहम्मद दानिश अख्तर को विजय दिलाने के लिए पूरी ताकत से मैदान में उतरें। समाजवादी पार्टी प्रत्याशी मोहम्मद दानिश अख्तर लगातार पूरे शिक्षक खंड क्षेत्र में शिक्षकों के बीच जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। वे पुरानी पेंशन बहाली, वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय, विद्यालयों में बायोमेट्रिक व्यवस्था के नाम पर हो रहे शोषण का विरोध, विद्यालय समय में एक घंटे की वृद्धि समाप्त करने तथा टेट की अनिवार्यता खत्म करने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। पार्टी संगठन का दावा है कि नवंबर में होने वाले इस चुनाव में समाजवादी पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी और इसके लिए पूरे क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियां तेजी से संचालित की जा रही हैं।

हवा में नमी से कम हुआ धूप का असर, 24 घंटे में 3 डिग्री सेल्सियस गिरा पारा

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में पिछले सप्ताह नम हवाओं और बारिश के बाद शुक्रवार को तेज धूप के कारण मौसम ने अचानक करवट ली थी। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस पहुंचने से लोग गर्मी से बेहाल हो गए थे। हालांकि शनिवार को मौसम ने फिर राहत दी। सुबह से ही हवा में नमी अधिक रहने के कारण धूप का असर कम रहा। दोपहर बाद बादलों की आवाजाही भी देखने को मिली।

मौसम में आए इस बदलाव का असर तापमान पर भी दिखा। बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस गिरकर 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम के समय लोगों ने गर्मी से काफी राहत महसूस की। अप्रैल महीने में तेज धूप और लू के कारण अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, लेकिन मई की शुरुआत से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। पिछले 10 दिनों में दो बार तेज हवा और बारिश होने से तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है।

विशेषज्ञों के अनुसार मौसम में आए इस बदलाव के चलते इस बार मानसून आने तक गर्मी का असर उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। शनिवार को सुबह से नम हवाएं चलने के कारण दिन और रात दोनों समय लोगों को अन्य दिनों की तुलना में अधिक राहत मिली।

अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.4 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान भी औसत से 2.8 डिग्री कम होकर 22.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि अगले सप्ताह मौसम फिर बदल सकता है। तेज धूप के साथ तापमान में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मानसून के समय से आने के संकेत भी मिल रहे हैं।

क्रोनोलॉजी और व्याकरण के सवालों ने उलझाया, पिछली बार की तुलना में आसान रहा पेपर

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग की ओर से 4 साल बाद प्रवक्ता पद के लिए भर्ती परीक्षा कराई जा रही है। शनिवार को पहले दिन दो पालियों में 9876 परीक्षार्थियों ने ही परीक्षा दी। 10012 ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षार्थियों ने बताया कि क्रोनोलॉजी और व्याकरण के सवालों ने उलझा दिया। हालांकि, पिछली बार की तुलना में इस बार का पेपर काफी आसान रहा। दोनों पालियों में कुल 24248 अभ्यर्थी शामिल होने थे।

शनिवार को पहली पाली में 13147 में ये 5576 ने परीक्षा दी। 3211 ने छोड़ दी। दूसरी पाली में 11101 में से 4300 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हो सके। 6801 ने परीक्षा छोड़ दी। इस तरह पहली पाली में 42.43 और दूसरी पाली में 61.26 फीसदी परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी दी। एडीएम सिटी आलोक वर्मा ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ परीक्षा कराई गई। सभी परीक्षार्थियों को सघन जांच के बाद ही केंद्र में प्रवेश करने दिया गया। दो पालियों में हुई परीक्षा में औसत 49 फीसदी अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। 51 फीसदी ने परीक्षा छोड़ दी।

भरतीय शिक्षा मंदिर इंटर कॉलेज से लौटा दिए गए 8 अभ्यर्थी : प्रवक्ता परीक्षा में शामिल होने वाराणसी

के इंग्लिशिया लाइन स्थित भारतीय शिक्षा मंदिर इंटर कॉलेज पहुंचे। 8 परीक्षार्थियों को बिना परीक्षा दिए ही वापस लौटना पड़ा।

जौनपुर से परीक्षा देने आई जानकी यादव ने बताया कि परीक्षा शुरू होने से 20 मिनट पहले वह केंद्र पर पहुंची थीं। उस समय वहां 7 अन्य अभ्यर्थी भी मौजूद थे जो प्रवेश देने के लिए पुलिसकर्मियों से जद्दोजहद कर रहे थे। जानकी ने बताया कि कई प्रयास के बाद भी कुछ पुलिसकर्मियों ने इन परीक्षार्थियों को प्रवेश नहीं दिया।

आज 35 केंद्रों पर परीक्षा देंगे 27804 अभ्यर्थी : आयोग की ओर से रविवार को दूसरे दिन भी दो पालियों में प्रवक्ता की परीक्षा कराई जाएगी। इसमें दोनों पालियों में कुल 27804 परीक्षार्थी शामिल होंगे। पहली पाली में 26 केंद्रों पर 11896 और दूसरी पाली में 35 केंद्रों पर 15908 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके लिए तैयारियां पहले से ही कर ली गईं। परीक्षा के दृष्टिगत सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहेगी।

बोले परीक्षार्थी

पेपर पिछली बार की अपेक्षा आसान था। मेरी तैयारी थी इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं हुई, समय से हल हो गया।

- अंजू विश्वकर्मा, प्रयागराज

पेपर बहुत अच्छा रहा। लगातार पढ़ाई कर रहे थे इसलिए प्रश्नों को हल करने में दिक्कत नहीं हुई। व्याकरण ने उलझाया।

- सुष्मा त्रिपाठी, जौनपुर

रीजनिंग में क्रोनोलॉजी के प्रश्नों ने थोड़ा उलझाया। पेपर कठिन नहीं था। पढ़ाई कर रहे थे इसलिए दिक्कत नहीं हुई।

- ज्योति सोनी, प्रयागराज

पेपर होगा या नहीं यह निश्चित नहीं था लेकिन तैयारी पहले से कर रहे थे। इसलिए कुछ कठिन नहीं लगा।

- ममता पांडेय, प्रयागराज

मोर्चरी हाउस में डीप फ्रीजर पांच साल से खराब...सड़ने लगती हैं लावारिस लाशें

गोरखपुर, एजेंसी। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मोर्चरी हाउस में शवों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था बदहाल हो चुकी है। यहां लगा डीप फ्रीजर पिछले करीब पांच वर्षों से खराब पड़ा है, जिससे खासकर अज्ञात शवों को सुरक्षित रखने में गंभीर दिक्कतें हो रही हैं। हालत यह है कि जर्जर भवन और खराब फ्रीजर के बीच शवों को सामान्य तापमान में रखना पड़ रहा है, जिससे वे सड़ने लगती हैं। इससे न केवल दुर्गंध फैलने का खतरा बढ़ रहा है बल्कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की शुद्धता पर भी असर पड़ने की आशंका बनी रहती है।

मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में चार शवों को सुरक्षित रखने के लिए डीप फ्रीजर लगाया गया था लेकिन उसके खराब होने के बाद अब तक नया नहीं लगाया जा सका। नियमों के अनुसार, अज्ञात शवों को पहचान के लिए करीब 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाता है। इसके बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया होती है। गर्मी के मौसम में इतनी देर तक बिना पर्याप्त शीत व्यवस्था के शव रखना बड़ी चुनौती बन जाता है।सूत्रों के मुताबिक, हर सप्ताह दो से चार अज्ञात शव मोर्चरी में लाए जाते हैं। कई बार शवों में तेजी से सड़न शुरू हो जाती है। भवन की स्थिति भी काफी खराब है।

दिल्ली में होगा विशाल जनजातीय सांस्कृतिक समागम 2026, देशभर से डेढ़ लाख लोगों के जुटने की संभावना

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर राजधानी दिल्ली में 24 मई 2026 को जनजातीय सांस्कृतिक समागम 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस विशाल कार्यक्रम में देशभर की 500 से अधिक जनजातीय समुदायों से लगभग डेढ़ लाख लोगों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। आयोजन लाल किला मैदान में होगा, जिसे देश के सबसे बड़े जनजातीय सांस्कृतिक आयोजनों में से एक माना जा रहा है। इस संबंध में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. राजकिशोर हांसदा, दिल्ली प्रांत संयोजक अशोक कुमार गोंड तथा राष्ट्रीय टीम के सदस्य एवं पूर्व न्यायाधीश प्रकाश उइके ने कहा कि पहली बार देशभर के इतने बड़े स्तर पर जनजातीय समुदाय राजधानी दिल्ली में एक साथ जुटकर अपनी संस्कृति, परंपरा और पहचान का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विशाल सांस्कृतिक शोभायात्रा होगी, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। यह शोभायात्रा दिल्ली के पांच अलग-अलग स्थानों से प्रारंभ होकर

लाल किला मैदान पर पहुंचेगी, जहां विशाल जनसभा आयोजित होगी। आयोजकों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। सम्मेलन का केंद्रीय संदेश होगा तुम और मैं एक रक्त, अर्थात वनवासी, ग्रामवासी और नगरवासी सभी भारतीय एक सूत्र में बंधे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि यह केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का अभियान है। कार्यक्रम का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा की विरासत को स्मरण करना, जनजातीय समाज की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं का उत्सव मनाना और सांस्कृतिक संवाद के लिए राष्ट्रीय मंच तैयार करना है। आयोजकों के अनुसार दिल्ली पहुंचने वाले लाखों जनजातीय भाइयों बहनों के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसके लिए बीस विभागों और विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। स्वयंसेवक आवास, भोजन, पेयजल, परिवहन, चिकित्सा सेवा, सुरक्षा और स्वच्छता जैसी व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि यह आयोजन देशभर के लोगों को एक मंच पर लाने का ऐतिहासिक अवसर साबित होगा और तुम और मैं एक रक्त की भावना को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत करेगा।

आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने सुपरवाइजरों के खिलाफ खोला मोर्चा, अवैध उगाही के आरोप में किया प्रदर्शन

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर स्थित बाल विकास केंद्र पर सोमवार को आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने सुपरवाइजरों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर अवैध उगाही और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए। उत्तर प्रदेश राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में कर्मचारी एकत्र हुए और तीनों सुपरवाइजरों के तबादले की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें लगातार आर्थिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

संघ के जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने कहा कि सुपरवाइजर आंगनबाड़ी कर्मचारियों को अलग-अलग बैठकों में बुलाकर धन उगाही करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुष्टाहार वितरण में भी अनियमितता कराई जा रही है। कर्मचारियों से कहा जाता है कि तीन माह के पुष्टाहार में से केवल दो माह का वितरण करें और शेष एक माह की धनराशि सुपरवाइजरों को दे दें। विरोध करने पर सेवा समाप्त कराने, मानदेय रोकने तथा विभागीय कार्रवाई की धमकी दी जाती है। प्रदर्शन कर रही कर्मचारियों का आरोप था कि शिकायत करने पर भी कार्रवाई नहीं होती और सुपरवाइजर खुलेआम कहती हैं कि कोई अधिकारी या जनप्रतिनिधि उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। कर्मचारियों ने विधायक एवं उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में सविता शर्मा, नीरज देवी, माया देवी, कुसुमलता, पवित्रा, नवीता, नीरज रानी, आरती शर्मा, गुड़िया, शीलम, मिथलेश, जमुना, मंजू, बबिता और ममता शर्मा सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहीं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया, प्रधानमंत्री के संबोधन का हुआ लाइव प्रसारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शासन के निदेर्शानुसार सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मंदिर के पुनरुद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को जनपद गौतमबुद्धनगर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। जनपद के विभिन्न शिवालयों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य कार्यक्रम ग्राम सदरपुर, सेक्टर-45 नोएडा स्थित प्राचीन शिव मंदिर श्री वोड़ेश्वर महादेव मठ में आयोजित हुआ, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने सहभागिता की। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, वैदिक मंत्रोच्चारण एवं भगवान शिव की आराधना से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह एवं आस्था के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण भी सामूहिक रूप से देखा गया। उपस्थित लोगों ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़े विचारों को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम में सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक महत्व, उसके संघर्षपूर्ण इतिहास एवं पुनरुत्थान की गौरवगाथा पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में महानगर नोएडा जिलाध्यक्ष महेश चौहान, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, खंड विकास अधिकारी बिसरख तथा मंदिर के महंत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व टेक्नीशियन ने अस्पताल संचालक पर चलाई गोली, आरोपी गिरफ्तार

संग्राम सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर, बिजनौर

सौरभ त्यागी आरोपी,पुलिस अभिरक्षा में

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर के मंडावर मार्ग स्थित लाइफ लाइन हॉस्पिटल में रविवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अस्पताल के एक पूर्व टेक्नीशियन ने संचालक पर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से फायर कर दिया। राहत की बात यह रही कि अस्पताल संचालक डॉ. अशोक चाहल हमले में बाल-बाल बच गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर हथियार जब्त कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर संग्राम सिंह ने बताया कि रात करीब 11 बजे अस्पताल में फायरिंग की सूचना मिली थी। जांच में सामने आया कि आरोपी डॉ. सौरभ त्यागी नशे की हालत में अस्पताल पहुंचा था। उसने पहले अस्पताल कर्मियों से फोन पर गाली-गलौज की और बाद में सीधे अस्पताल पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। आरोपी ने डॉ. अशोक चाहल को केबिन से बाहर बुलाकर बातचीत की, लेकिन विवाद बढ़ने पर उसने पिस्टल निकालकर गोली चला दी। पुलिस के अनुसार आरोपी करीब पांच वर्ष पहले अस्पताल के डायलिसिस विभाग में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत था। उस दौरान अस्पताल प्रबंधन से विवाद होने के बाद उसने नौकरी छोड़ दी थी। पुलिस ने आरोपी को मौके से ही पकड़ लिया और उसकी लाइसेंसी पिस्टल कब्जे में ले ली। मामले में पूछताछ जारी है तथा संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

राज्यमंत्री बनने पर हंसराज विश्वकर्मा का स्वागत, समाज में खुशी की लहर

शामली। (शिखर समाचार) विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नेता एवं विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा को उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री बनाए जाने पर विश्वकर्मा समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। समाज के लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर हर्ष व्यक्त किया और इसे समाज के लिए गौरव का क्षण बताया।

युवा नेता गौरव विश्वकर्मा ने हंसराज विश्वकर्मा से भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया तथा हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हंसराज विश्वकर्मा का मंत्री बनना केवल विश्वकर्मा समाज ही नहीं, बल्कि पूरे शिल्पकार एवं कारीगर वर्ग के लिए सम्मान और गौरव की बात है। गौरव विश्वकर्मा ने कहा कि हंसराज विश्वकर्मा के अनुभव, कार्यशैली और दूरदर्शिता से प्रदेश के विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि वह सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करेंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर अमित विश्वकर्मा, सचिन जैन भगतजी सहित समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर छात्राओं ने दिखाया तकनीकी कौशल

शामली। (शिखर समाचार) शहर के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं को विज्ञान एवं तकनीक के महत्व से अवगत कराने के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आचार्य संजीव ने कहा कि 11 मई भारत के तकनीकी इतिहास का गौरवपूर्ण दिवस है। इसी दिन भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण के माध्यम से विश्व पटल पर अपनी वैज्ञानिक शक्ति का परिचय दिया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। साथ ही दैनिक जीवन में तकनीक के सकारात्मक एवं सही उपयोग पर भी बल दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने छात्राओं को नवाचार एवं विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने चार्ट पेपर एवं मॉडल्स के माध्यम से विभिन्न तकनीकी विकासों का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखाई। विद्यालय में वेशभूषा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में अनुपमा, अनीता, बॉबी एवं बबीता शामिल रहीं। प्रतियोगिता में मानवी, शिवांगी, अनन्या, तनु मलिक, नंदिनी, अंशिका, छवि, अवनी, अंजलि, तन्नू, तपस्या, सृष्टि रानी, वंशिका, वृंदा दीक्षित, दिव्या एवं अपूर्वा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रहेगा संगठन : हरपाल वर्मा

शामली।(शिखर समाचार) धिमानपुरा स्थित एक रेस्टोरेंट में पश्चिम व्यापारी एकता व्यापार मंडल की नवगठित जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों सहित विभिन्न जनपदों से पहुंचे व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा, प्रदेश महासचिव अनुज गुप्ता तथा संरक्षक राजीव जैन ने भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन संजीव जैन और संदीप जैन ने संयुक्त रूप से किया। प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा ने नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाते हुए नियुक्ति पत्र वितरित किए। संगठन की जिला इकाई में मनोज कुमार जैन को जिला अध्यक्ष, प्रमोद वर्मा को जिला महासचिव तथा मनीष

गर्ग को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा कई व्यापारियों को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मनोज जैन ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी उन्हें दी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा ने कहा कि व्यापारी समाज देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। व्यापारियों का किसी भी प्रकार का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संगठन हर व्यापारी के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। समारोह में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, रामपुर और शामली सहित विभिन्न जनपदों से व्यापारी शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष भानु, प्रदेश सचिव विनय जैन, सहारनपुर मंडल अध्यक्ष संजय वर्मा, मनोज ठाकुर सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसों पर सख्त हुए डीएम, ब्लैक स्पॉट सुधारने के निर्देश

शामली। (शिखर समाचार) सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सुरक्षा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न एजेंडा बिंदुओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन स्थानों पर लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एनएचएआई अधिकारियों को दुर्घटना संभावित स्थलों को चिन्हित कर आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश दिए। बैठक में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता जताई गई। जिलाधिकारी ने ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर वहां प्रभावी सुरक्षा उपाय लागू करने तथा निर्माण कार्यों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मार्गों को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को शहर से बाहर जाने वाले प्रमुख जंक्शनों पर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त रखने और व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने के निर्देश दिए। साथ ही ह्लनो हेलमेट, नो

फ्यूलह्व अभियान का सख्ती से पालन कराने पर जोर दिया। बैठक में कैराना में यमुना नदी पर सुरक्षा की दृष्टि से जाल लगाने के कार्य में तेजी लाने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येन्द्र सिंह, एडिशनल एसपी सुमित शुक्ला, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राजकुमार, सहायक अभियंता दीपेंद्र जायसवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के चक्रसेनपुर गांव मार्ग पर पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पुल के समीप सोमवार सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी कब्जे में ले लिया है। एसीपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि जारचा कोतवाली क्षेत्र के छौलस गांव निवासी सचिन कुमार ग्रेटर नोएडा स्थित एक कंपनी में कार्यरत थे। सोमवार सुबह वह बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। जैसे ही वह चक्रसेनपुर मार्ग पर पहुंचे, तभी सीमेंट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद वह ट्रॉली के नीचे आकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

भारत माता की जय और अमर शहीदों के नारों से गूंजा दादरी नगर

दादरी (शिखर समाचार)। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा को जीवंत करते हुए जय हो सामाजिक संस्था द्वारा भव्य क्रांति मशाल जुलूस निकाला गया। हजारों लोगों ने हाथों में जलती मशालें, तिरंगे और भगवा ध्वज लेकर भारत माता की जय तथा देश के अमर शहीदों की जय के नारे लगाए, जिससे पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंग गया। संस्था के संरक्षक एवं अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी तथा संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा ने संयुक्त रूप से मशाल प्रज्वलित कर जुलूस का शुभारंभ किया। समाजसेवी सुधीर वत्स ने शहीद मंगल पांडे, संस्था अध्यक्ष संदीप भाटी ने अमर क्रांतिकारी धन सिंह कोतवाल तथा वरिष्ठ समाजसेवी कपिल गुर्जर ने वीर राजा राव उमराव सिंह की भूमिका निभाई। तीनों क्रांतिकारी स्वरूपों को लोगों ने मशाल भेंट कर घोड़ों पर सवार किया और भारी संख्या में लोग मशालें लेकर उनके पीछे चल पड़े। देशभक्ति गीतों और क्रांतिकारी नारों के बीच आगे बढ़ रहे जुलूस का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। जुलूस दादरी ब्लॉक परिसर स्थित शहीद स्तंभ पहुंचा, जहां अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद जुलूस बस अड्डा स्थित वीर शहीद राजा राव उमराव सिंह की प्रतिमा स्थल पहुंचा, जहां विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी तथा प्रमेंद्र भाटी ने माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर सुधीर भाटी, प्रमोद शर्मा, संजय शर्मा, सुनील कश्यप, विशाल नागर, सचिन शर्मा, याकूब मलिक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अवैध तमंचे के साथ आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर(शिखर समाचार)। गढ़ पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक आरोपी को अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को दोताई नहर के बराबर से निकले रास्ते से दबोचा। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रिंस पुत्र वीर सिंह निवासी ग्राम मानक चौक, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ बताया। आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा एवं .315 बोर का कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शिवराज सिंह, उपनिरीक्षक राजेश त्यागी सहित थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

हाईवे मारपीट मामले में दो गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर(शिखर समाचार)। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर ढाबे के बाहर युवक के साथ मारपीट के वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए गढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, ग्राहक द्वारा वाहन एक-दूसरे की दुकान के सामने खड़ा करने को लेकर दो ढाबा संचालकों के बीच विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर युवक के साथ मारपीट की गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इसरार पुत्र रहीसुद्दीन निवासी मोहल्ला तारापुरी थाना ब्रह्मपुरी जनपद मेरठ तथा जफर अहमद पुत्र मुनकाद अली निवासी ग्राम अठसैनी थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। गढ़ पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

1857 की क्रांति दिवस पर भारत विकास परिषद ने लगाया रक्तदान शिविर

दादरी (शिखर समाचार)। नगर के रेलवे रोड स्थित वेदांश हॉस्पिटल में भारत विकास परिषद शाखा दादरी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिला एवं पुरुषों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया तथा 1857 की प्रथम स्वतंत्रता क्रांति के वीर सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत विकास परिषद शाखा दादरी के अध्यक्ष एनके शर्मा ने बताया कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी वर्ष 1857 की क्रांति से शुरू हुई थी। इसी ऐतिहासिक दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और मानव जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान सबसे बड़ा दान माना जाता है। यह शिविर रोटरी ब्लड बैंक नोएडा के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ, जो दोपहर 3 बजे तक चला। शिविर में कुल 48 डोनर्स ने भाग लिया, जिनमें चार महिलाओं सहित 37 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शाखा के सदस्यों ने भी शिविर को सफल बनाने में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। वेदांश हॉस्पिटल के डॉक्टर नीरज कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद, गरीब और बेसहारा लोगों को नया जीवन मिलता है तथा इससे समाज सेवा के साथ देश सेवा का भी कार्य होता है। इस अवसर पर रविंद्र गोयल, संजय गर्ग, राधेलाल गर्ग, सुधीर सक्सेना, रिशु गोयल, संजीव सक्सेना, डॉक्टर रोहित शर्मा, मनोज मित्तल, अलका शर्मा, कविता, नीरज मित्तल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक कार में लगी आग:ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान, शॉर्ट सर्किट से हादसा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। एक चलती इलेक्ट्रिक कार में आग लग गई। कार देखते ही देखते धूं- धूं कर जलने लगी। ड्राइवर ने तुरंत दरवाजा खोलकर बाहर छलांग लगा दी। तब जाकर उसकी जान बच पाई। यह घटना ग्रेटर नोएडा वेस्ट की है। सूचना मिलते ही फायर विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। उसने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक इलेक्ट्रिक कार पूरी तरह जल चुकी थी। शुरूआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। जिला दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्हें गौर सिटी मॉल वाले रोड पर गाड़ी में आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद एक फायर टेंडर भेजा गया। उन्होंने पुष्टि की कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

संपादकीय

बंगाल की नई दिशा और सीमा सुरक्षा का सवाल

पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय बाद सत्ता परिवर्तन के बाद बनी नई सरकार ने अपने पहले ही कैबिनेट फैसलों से यह संकेत दे दिया है कि आने वाले समय में राज्य की प्रशासनिक और राजनीतिक प्राथमिकताएं बदलने वाली हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हावड़ा स्थित नाबन्ना सचिवालय में सोमवार को पहली कैबिनेट बैठक कर छह बड़े फैसलों को मंजूरी दी। इनमें सबसे अधिक चर्चा का विषय भारत बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन उपलब्ध कराने का निर्णय बना हुआ है। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, अवैध घुसपैठ, सीमा प्रबंधन और राज्य-केंद्र संबंधों से जुड़ा एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी माना जा रहा है।

पश्चिम बंगाल लंबे समय से भारत-बांग्लादेश सीमा से जुड़े मुद्दों के कारण राष्ट्रीय बहस के केंद्र में रहा है। राज्य की लगभग 2200 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा कई जिलों से होकर गुजरती है। वर्षों से सीमा पार घुसपैठ, तस्करी, नकली मुद्रा, मानव तस्करी और कट्टरपंथी नेटवर्क की गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की जाती रही है। केंद्र सरकार और सीमा सुरक्षा बल लगातार सीमा पर मजबूत बाड़बंदी की आवश्यकता पर जोर देते रहे, लेकिन भूमि अधिग्रहण और स्थानीय प्रशासनिक अनुमति के कारण कई परियोजनाएं अधूरी पड़ी रहीं। अब नई सरकार ने स्पष्ट रूप से यह संकेत दिया है कि वह सीमा सुरक्षा के मामले में केंद्र के साथ टकराव की बजाय सहयोग का रास्ता अपनाएगी।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि सीमा पर बाड़ लगाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल था और भूमि विभाग ने जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अगले 45 दिनों में भूमि केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। यह बयान केवल प्रशासनिक घोषणा नहीं बल्कि उस राजनीतिक सोच का प्रतिबिंब है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास दिखाई देता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नई सरकार इस फैसले के जरिए राज्य में कानून-व्यवस्था और सीमा प्रबंधन को लेकर अपनी गंभीरता प्रदर्शित करना चाहती है। हालांकि इस फैसले के सामाजिक और मानवीय पहलुओं पर भी गंभीर चर्चा आवश्यक है। सीमा क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों की आजीविका खेती और स्थानीय व्यापार पर निर्भर करती है। बाड़बंदी के कारण कई गांवों में लोगों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। ऐसे में सरकार को केवल सुरक्षा दृष्टिकोण तक सीमित न रहकर स्थानीय नागरिकों के पुनर्वास, मुआवजे और सुविधाओं पर भी ध्यान देना होगा। यदि सीमा पर रहने वाले लोगों को विकास, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार की बेहतर सुविधाएं नहीं मिलीं तो असंतोष बढ़ सकता है। इसलिए सुरक्षा और संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाना सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। नई सरकार के शुरूआती फैसलों को राष्ट्रीय राजनीति के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल की राजनीति में राष्ट्रवाद, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दे लगातार प्रभावी रहे हैं। चुनावी अभियानों में भी इन विषयों पर तीखी बहस देखने को मिली थी। अब सत्ता में आने के बाद सरकार के सामने चुनौती यह है कि वह चुनावी नारों को प्रशासनिक परिणामों में कैसे बदलती है। केवल घोषणाओं से जनता का विश्वास लंबे समय तक नहीं टिकता। लोगों को वास्तविक परिवर्तन चाहिए, जिसमें बेहतर कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, उद्योग निवेश और रोजगार के अवसर शामिल हैं। पहली कैबिनेट बैठक में शामिल मंत्रियों की संख्या भी चर्चा का विषय बनी हुई है। अभी तक केवल पाँच मंत्रियों ने शपथ ली है और सीमित मंत्रिमंडल के साथ सरकार काम शुरू कर रही है। राजनीतिक जानकार इसे ह्लछोटे लेकिन तेज प्रशासनह्व की रणनीति मान रहे हैं। हालांकि विपक्ष इसे अनुभवहीन और जल्दबाजी में बनी सरकार बता रहा है। आने वाले दिनों में मंत्रिमंडल विस्तार और विभागों के वितरण से सरकार की वास्तविक कार्यशैली स्पष्ट होगी। यह भी महत्वपूर्ण होगा कि नई सरकार प्रशासनिक मशीनरी में कितना बदलाव करती है और केंद्र के साथ तालमेल बनाकर कितनी तेजी से निर्णय लागू कर पाती है।

~ मौलिक चिंतन ~

दूसरों को आईना दिखाने का शौक रखने वाले लोग, खुद आईने से नजरें चुराते हैं।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यो के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी।

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

उमेश चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे।

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई।

झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे। विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त। झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चचाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था। उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया। गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी श्रृंखला की रोजी-रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है।

पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।

75 वर्षों में राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना सोमनाथ

सौरभ वार्ष्णेय

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होना केवल एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की ऐतिहासिक चेतना, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी महत्वपूर्ण क्षण है। आज जब देश इस गौरवपूर्ण यात्रा को स्मरण कर रहा है, तब यह भी स्पष्ट दिखाई देता है कि केंद्र की भारत सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारतीय विरासत और सांस्कृतिक धरोहरों के पुनर्स्थापन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की अदम्य शक्ति और सनातन परंपरा की अमर गाथा है।

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

इन 75 वर्षों में सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं रहा, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक बन गया। विशेष रूप से पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को जिस प्रकार गति दी है, वह उल्लेखनीय है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या में राम मंदिर और केदारनाथ पुनर्विकास जैसे अनेक प्रकल्प इस सोच को मजबूत करते हैं कि भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ही विश्व में नई पहचान बना सकता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सोमनाथ बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है। कहा जाता है कि चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना कर यहां अपने श्राप से मुक्ति पाई थी, इसी कारण इसका नाम सोमनाथ पड़ा। अरब सागर के तट पर स्थित यह मंदिर प्राचीन काल से श्रद्धा और व्यापार दोनों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार इसका उल्लेख अनेक प्राचीन ग्रंथों और यात्रावृांतों में मिलता है।

सोमनाथ का इतिहास जितना गौरवपूर्ण है, उतना ही संघर्षपूर्ण भी। 11वीं शताब्दी में महमूद गजनी ने इस मंदिर पर आक्रमण कर इसकी अपार संपदा लूटी और मंदिर को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद भी विभिन्न कालखंडों में कई विदेशी आक्रांताओं ने इसे निशाना बनाया। लेकिन हर विनाश के बाद भारतीय समाज ने इसे फिर से खड़ा किया। यही तथ्य दशार्ता है कि किसी राष्ट्र की आत्मा को केवल पत्थरों को तोड़कर समाप्त नहीं किया जा सकता। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। आधुनिक सुविधाओं और भव्य स्थापत्य ने इसकी गरिमा को और बढ़ाया है। साथ ही यह मंदिर भारत को यह स्मरण कराता है कि हमारी संस्कृति ने हर संकट के बाद स्वयं को पुनर्जीवित करने की क्षमता दिखाई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कई बार यह कहा है कि विकास और विरासत साथ-साथ चल सकते हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक ओर आधुनिक आधारभूत संरचना पर बल दिया, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मंदिरों, तीर्थों और सांस्कृतिक केंद्रों के संरक्षण को भी महत्व दिया। सोमनाथ मंदिर परिसर का आधुनिकीकरण, पर्यटन सुविधाओं का विस्तार और आसपास के क्षेत्र का विकास इसी दृष्टि का हिस्सा है।

हालांकि, इस अवसर पर यह भी आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रह जाए। मंदिरों और तीर्थ स्थलों के विकास के साथ-साथ देश को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर भी समान गंभीरता से आगे बढ?ा होगा। राष्ट्रीय गौरव तभी सार्थक होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सोमनाथ के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष भारत की उस अटूट चेतना का प्रमाण हैं, जिसने सदियों के संघर्ष के बाद भी अपनी पहचान को जीवित रखा। यह अवसर केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की सांस्कृतिक दिशा तय करने का भी है। यदि विरासत और विकास का संतुलन बना रहा, तो भारत विश्व मंच पर अपनी सभ्यतागत शक्ति के रूप में और अधिक मजबूती से उभरेगा। आज जब भारत विश्व मंच पर अपनी नई पहचान बना रहा है, तब सोमनाथ जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक केंद्र देश की सांस्कृतिक शक्ति को मजबूत करते हैं। पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में भी ऐसे तीर्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी धरोहरों के संरक्षण, स्वच्छता और ऐतिहासिक महत्व को आने वाली पीढि?ों तक पहुँचाने का कार्य गंभीरता से करें।

सोमनाथ मंदिर के 75 वर्ष हमें यह याद दिलाते हैं कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना और आत्मविश्वास में निहित होती है। समय बदलता है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन जो सभ्यता अपनी जड़ों से जुड़ी रहती है, वह सदैव मजबूत बनी रहती है। सोमनाथ इसी अमर भारतीय चेतना का प्रतीक है। वर्तमान समय में जब इतिहास और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नई बहसें चल रही हैं, तब सोमनाथ का इतिहास हमें संतुलित दृष्टि अपनाने की प्रेरणा देता है। यह मंदिर प्रतिशोध का नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव का संदेश देता है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है, और सोमनाथ उसी निरंतरता का जीवंत प्रतीक है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।
~~~~~~~~~

अगर आपके बाल भी रूखे सूखे और बेजान हो गए हैं तो उन्हें सुलझाने के लिए और उनकी नेचुरल चमक को वापस लाने के लिए आप इन दो घरेलू नुस्खों को ज़रूर आज़माए। इनकी मदद से आपके बाल न केवल शाइनी होंगे बल्कि जड़ से मजबूत और हेल्दी भी होंगे। साथ ही बालों का झड़ना भी कम होगा। चलिए, जानते हैं वे नुस्खे कौन से हैं?

रूखे और बेजान बालों को चमकाने के लिए इन नुस्खों का करें इस्तेमाल, रेशम से सिल्की हो जाएंगे बाल

इन दो नुस्खों का करें इस्तेमाल :

अलसी का जेल : अलसी के बीजों में ऐसे कई फायदेमंद तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं ।अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड बालों को चमकने के अलावा उन्हें झड़ने से बचाता है। साथ ही ये सिर की त्वचा की सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल : अलसी के जेल को शहद, दही के साथ मिलाएं। इस मास्क को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं, 15-20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें। इससे बालों में नमी और चमक बढ़ सकती है।

चावल का पानी : चावल का पानी कई पोषक तत्वों जैसे विटामिन क्र ष्ट, श्व, मिनरल्स और अमीनो एसिड से भरपूर होता है। यह बालों की सतह पर होने वाले घर्षण को कम करने में मदद करता है जिससे बाल रेशमी और चमकदार बनते हैं और उनमें रूखापन कम होता है।

कैसे करें इस्तेमाल : कच्चे चावलों को लगभग 30 मिनट तक पानी में भिगोकर रखें। चावलों को छान लें और पानी को अलग रख लें। बालों में शैम्पू करें और नल के पानी से धो लें। इसके बाद, बालों और सिर की त्वचा को उस चावल के पानी से धोएँ जिसे आपने अलग रखा था। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें और आखिर में पानी से धो लें।

शाइनी और मजबूत हेयर के लिए इन बातों का भी रखें ख्याल :

तौलिए की जगह सूती का करें इस्तेमाल : अगर आप भी तौलिए का इस्तेमाल बालों को सुखाने के लिए कर रहे हैं तो इस आदत को बदल दें। तौलियों से ज़ोर से रगड़ने से बालों में घर्षण पैदा होता है, जिससे बाल टूट जाते हैं। इसलिए, तौलिए की जगह सूती कपड़े का इस्तेमाल करें, जिससे आप अपने बालों को सुखा सकें।

बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल न करें : अगर आप बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बालों के क्यूटिकल्स खुल जाते हैं। लेकिन जब आप बाल धोने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो यह क्यूटिकल्स को बंद कर देता है और बालों को रेशमी और सीधा रखने में मदद करता है।

हीट टूल्स का इस्तेमाल करने से बचें : अगर आप अपने बालों को ठीक करने के लिए ब्लो ड्रायर या इलेक्ट्रिक स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो असल में आप अपने बालों को कमज़ोर बना रहे हैं। इसीलिए आपको ड्रायर और इस तरह के अन्य उपकरणों का नियमित इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

चेहरे पर कैसे लगाएं दूध की मलाई, ग्लो करने लगेगा चेहरा

रूखी त्वचा भी बन जाएगी मुलायम

दूध को त्वचा के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि सिर्फ दूध ही नहीं, बल्कि दूध की मलाई भी आपकी त्वचा की सेहत पर पॉजिटिव असर डाल सकती है? दूध की मलाई में मौजूद तमाम औषधीय गुण स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकते हैं। आज हम आपको पोषक तत्वों से भरपूर दूध की मलाई को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के सही तरीके के बारे में बताएंगे।

कैसे लगाएं मलाई- सबसे पहले एक कटोरी में थोड़ी सी मलाई निकाल लीजिए। इसके बाद आपको इसी कटोरी में चुटकी भर हल्दी पाउडर को भी निकाल लेना है। अब आपको इन दोनों केमिकल फ्री चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आप इस पेस्ट को फेस पैक की तरह एक हफ्ते में 1 से 2 बार अप्लाई कर सकते हैं।

अप्लाई करने का तरीका- इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लीजिए। लगभग 5 मिनट तक अपने चेहरे की मसाज जरूर करें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको लगभग 20 मिनट तक इस फेस पैक को अपनी त्वचा पर लगाए रखना है। 20 मिनट के बाद आप फेस वॉश कर सकते हैं। हालांकि, आपको दूध की मलाई को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

त्वचा के लिए वरदान- त्वचा का निखार बढ़ाने के लिए और त्वचा को गहराई से पोषण देने के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या आप दाग-धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आप इस फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। दूध की मलाई में एंटी एजिंग गुण भी मौजूद होते हैं यानी झुर्रियों को रोकने के लिए भी इस फेस पैक को यूज किया जा सकता है। इस फेस पैक की मदद से रूखी त्वचा को मुलायम बनाया जा सकता है।

डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

नाश्ते में झटपट बनाएं टेस्टी और हेल्दी रागी चीला, वेट लॉस में है मददगार

सुबह का नाश्ता दिन का पहला मील होता है। इसलिए नाश्ते में हमेशा हेल्दी चीजें खानी चाहिए। सुबह की जल्दबाजी में लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। अक्सर लोग एक ही तरह का नाश्ता करके बोर हो जाते हैं। ऐसे में रागी का चीला स्वाद और सेहत दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हो सकता है। रागी का चीला खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है और इसे बनाना बेहद आसान भी है। रागी चीला ग्लूटन-फ्री और कम कैलोरी वाला नाश्ता है। ऐसे में जो लोग वेट लॉस करना चाहते हैं वो इसका सेवन कर सकते हैं।

सामग्री

रागी का आटा- 1 कप
बेसन या सूजी- 2-3 बड़े चम्मच (बाइंडिंग के लिए)
दही- द कप
प्याज -1 मध्यम (बारीक कटा हुआ)
हरी मिर्च - 1-2 (बारीक कटी हुई)
अदरक-लहसुन पेस्ट - ड्ड छोटा चम्मच
ताजा धनिया - बारीक कटा हुआ
सब्जियां - कद्दूकस की हुई गाजर या बारीक कटी शिमला मिर्च (स्वादानुसार)
मसाले - नमक, हल्दी, जीरा पाउडर, और थोड़ी सी हींग
पानी - आवश्यकतानुसार (घोल बनाने के लिए)
तेल/घी - सेकने के लिए

बनाने की विधि

घोल तैयार करें

एक बड़े बाउल में रागी का आटा, बेसन/सूजी, नमक और सभी सूखे मसाले मिला लें। अब इसमें दही और थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर एक मध्यम गाढ़ा घोल तैयार करें। ध्यान रहे कि गुठलियां न बनें।

सब्जियां मिलाएं

इस घोल में कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरा धनिया और अपनी मनपसंद सब्जियां डालकर अच्छी तरह मिलाएं। घोल को 10-15 मिनट के लिए ढककर रख दें।

तवा गरम करें

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल या घी लगाकर चिकना कर लें।

चीला फैलाएं

आंच को धीमा करें और एक बड़ा चम्मच घोल तवे के बीच में डालें। इसे धीरे-धीरे गोल घुमाते हुए फैलाएं।

सेकें

चीले के किनारों पर थोड़ा सा तेल डालें। इसे मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकने दें जब तक कि ऊपर की सतह सूखी न दिखने लगे।

पलटें

अब चीले को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

कच्चे आम की लौंजी बनाकर खाएं, खट्टा मीठा स्वाद चखते ही मजा आ जाएगा, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

कच्चे आम का सीजन आते ही लोग आम की चटनी, आम का अचार और आम की लौंजी बनाकर खाते हैं। अगर आपको भी कुछ खट्टा मीठा और स्वादिष्ट खाना है तो आम की लौंजी बनाकर खा सकते हैं।बिना प्याज, लहसुन और टमाटर के आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाती है। इसका स्वाद इतना अच्छा होता है कि आप लौंजी से 1-2 रोटी ज्यादा खा जाएंगे। अगर आपने अभी तक आम की लौंजी ट्राई नहीं की तो ये रेसिपी एक बार जरूर बनाएं। खास बात ये है कि कच्चे आम की लौंजी कई दिनों तक खराब नहीं होती है। इसका स्वाद बहुत ही मजेदार होता है। फटाफट नोट कर लें कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी।

कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी

पहला स्टेप- कच्चे आम की लौंजी बनाने के लिए आपको 3-4 कच्चे आम लेने हैं। आम को अच्छी तरह से धो लें और उसे छील लें। अब आम को मोटे-मोटे टुकड़ों में काट लें। गुठलियां निकाल लें और उन्हें फेंके नहीं बल्कि सब्जी में ही डाल दें।

दूसरा स्टेप- लौंजी के लिए कड़ाही में सरसों का तेल डालें। आपको बहुत कम तेल इस्तेमाल करना है। अब तेल में हरी सौंफ डालें और हल्दी, नमक और लाल मिर्च पाउडर डाल दें। अब इसमें कटे हुए कच्चे आम और उसकी गुठलियां डाल दें। सारी चीजों को मिक्स करके 1 गिलास पानी डाल दें।

आम की लौंजी

तीसरा स्टेप- अब आम को अच्छी तरह से गलने तक पकाएं। जब आम पक जाए तो इसमें थोड़ा स्वाद बढ़ाने के लिए काला नमक और काली मिर्च का पाउडर डाल दें। अब मीठा करने के लिए इसमें गुड़, जैगरी पाउडर या फिर चीनी मिला दें। आप इसे अपने स्वाद के हिसाब से मीठा कम या ज्यादा रख सकते हैं। लौंजी में पानी कम हो तो थोड़ा और डाल लें।

चौथा स्टेप- आम की लौंजी को हल्का लुटपुटा बनाते हैं। बहुत ज्यादा पानी या बहुत गाढ़ा न करें। इस तरह स्वादिष्ट आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाएगी। आप इसे रोटी और चावल के साथ खाएं। आम की लौंजी को अच्छी तरह 8-10 दिन तक फ्रिज में रखकर खा सकते हैं।

बादाम के तेल में मिलाएं ये 1 चीज, तैयार हो जाएगी घर में बनी नेचुरल फेस क्रीम, लगाते ही मक्खन सी चिकनी होगी त्वचा

त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए चेहरे पर मालिश करना जरूरी है। मसाज के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मिल जाती हैं। लेकिन आप घर में सिर्फ बादाम के तेल और एलोवेरा जेल से एकदम नेचुरल और होममेड क्रीम तैयार कर सकते है। आपको यकीन नहीं होगा कि तेल से इतनी आसानी से क्रीम बन जाएगी। आप इसे कुछ दिनों तक लगातार चेहरे पर लगाएंगे तो निखार साफ नजर आने लगेगा। बाबाद और एलोवेरा से बनी ये क्रीम झुर्रियों को दूर करने, झाईं और दाग मिटाने और एजिंग को कम करने में मदद करती है। इस क्रीम को बनाना बच्चों का खेल है। इतनी आसानी से और मिनटों में घर में बादाम के प्योर शुद्ध तेल से क्रीम बन जाएगी। जानिए बादाम तेल से क्रीम बनाने का तरीका क्या है?

बादाम तेल से क्रीम कैसे बनाएं

इसके लिए आपको बादाम का शुद्ध तेल लेना है। आप घर में बादाम का तेल निकाल सकते हैं। बाजार से त्वचा पर लगाने के लिए कोल्ड प्रेस बादाम का खरीद सकते हैं। बादाम के तेल को कटोरी में निकाल लें। 4 चम्मच तेल में करीब 4 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। इसमें 2 विटामिन ई के कैप्सूल डालें और सारी चीजों को चम्मच की मदद से लगातार चलाते रहें। थोड़ी देर चलाने के बाद ही तेल और जेल मिलकर क्रीम जैसी बन जाएगी। इसका रंग भी व्हाइट और क्रीमी होने लगेगा।

बादाम क्रीम को चेहरे पर कैसे लगाएं

इस क्रीम को एक एयरटाइट कांच की शीशी या किसी क्राम के ट्यूब में भर दें। आप इसे रोजाना रात में सोते वक्त पूरे चेहरे पर अच्छी तरह से लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से चेहरे की मालिश करें। इसके बाद सो जाएं। सुबह पानी से चेहरे को धो लें। बादाम के तेल से बनी इस क्रीम का इस्तेमाल आप दिन में किसी भी वक्त कर सकते हैं। नहाने से पहले या नहाने के बाद इस क्रीम से फेस मसाज करना फायदेमंद साबित होगा। आप इसे लंबे समय तक आसानी से स्टोर कर सकते हैं। बादाम के तेल में भरपूर विटामिन ई पाया जाता है जिससे एजिंग को कम किया जा सकता है। वहीं एलोवेरा त्वचा में नमी को लॉक करने का काम करता है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर महाराष्ट्र में लगाएगी नया संयंत्र, 2029 से उत्पादन

जापानी मीडिया के अनुसार करीब 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र में एक नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस संयंत्र से 2029 की पहली छमाही में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। जापानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मूल कंपनी टोयोटा मोटर भारत में क्षमता विस्तार के लिए लगभग 300 अरब येन (लगभग 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर) का भारी निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि यह नया संयंत्र महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। इस प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता एक लाख वाहनों की होगी और इससे लगभग 2,800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अनुसार इस संयंत्र में एक नया एसयूवी मॉडल तैयार किया जाएगा, जिसमें स्टैम्पिंग, वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली जैसी प्रमुख प्रक्रियाएं शामिल होंगी। वर्तमान में, टीकेएम के कर्नाटक में दो संयंत्र हैं जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 5.52 लाख इकाई है। यह नया प्लांट कंपनी की भारतीय बाजार में अपनी कारोबारी बुनियाद को और मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

भारत की आर्थिक वृद्धि 6.7 फीसदी रहने का अनुमान बीएमआई

चालू वित्त वर्ष में वैश्विक अस्थिरता और अल नीनो से जोखिम

नई दिल्ली ।

फिच समूह की इकाई बीएमआई ने ईरान युद्ध, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों के कमजोर पड़ने के चलते चालू वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को घटाकर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में 7.7 प्रतिशत थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों से इस पर नकारात्मक असर पड़ा है। बीएमआई की रिपोर्ट के अनुसार ईरान-अमेरिका संघर्ष के बढ़ने की आशंका भारत के वृद्धि अनुमानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। ऐसे में भारत को रक्षा खर्च, ईंधन कीमतों और राजकोषीय स्थिति के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती होगा। हालांकि, 2025 में किए गए कर सुधार लागत-आधारित महंगाई के असर को कुछ हद तक कम करने में सहायक हो सकते हैं। संस्था ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। बीएमआई का कहना है कि पिछले वर्षों के कर सुधारों का प्रभाव नए वित्त वर्ष में बढ़ती लागत से घटता जाएगा। ऊर्जा एवं खाद्य आपूर्ति में संभावित बाधाएं और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अनुमानित 'अल नीनो' के कारण सामान्य से कम मानसून भी खपत वृद्धि को धीमा कर महंगाई बढ़ाएगा। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर 0.4 से 0.7 प्रतिशत तक घट सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था एशिया में ऊर्जा कीमतों के प्रति सबसे संवेदनशील मानी जाती है, जिससे बाहरी झटकों का उस पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

पश्चिमी एशिया में तनाव से महंगे हो सकते हैं पेट्रोल और डीजल

सरकारी तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मासिक नुकसान

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के कारण भारत में पेट्रोल और डीजल महंगा हो सकता है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री पर हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेल रही हैं, जिससे सरकार पर अब कीमतों में वृद्धि का दबाव बढ़ गया है। पहले कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करने वाली सरकार अब यह मान रही है कि अब तक की कोशिश कीमतों को स्थिर रखने की रही है, जो संभावित वृद्धि का संकेत है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के खतरे और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, लेकिन भारतीय खुदरा बाजार में ईंधन के दाम लंबे समय से अपरिवर्तित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत और तेल कंपनियों के मुनाफे पर भारी पड़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1312 , निफ्टी 360 अंक फिसला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1312.91 अंक नीचे आकर 76,015.28 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी50 360.30 अंक गिरकर 23,815.85 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.05 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 1.13 फीसदी की गिरावट रही। क्षेत्रवार देखें तो आज सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी उपभोक्ता उत्पादों में 3.73 फीसदी और निफ्टी रियल्टी में 3.05 फीसदी रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयर भी 2 फीसदी नीचे आये जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर भी गिरे। निफ्टी पैक में सबसे ज्यादा टाटा कंज्यूमर के शेयरों में 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके बाद मैक्स हेल्थ के शेयरों में 2.7 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा कोल इंडिया, सन फार्मा, एचयूएल, ग्रासिम, ओएनजीसी, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई लाइफ के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर

टाइटन, इंडिगो, एसबीआई, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 467 लाख करोड़ रुपए ही रहा जबकि पिछले सत्र में ये 473 लाख करोड़ रुपए था।

रुपया 139 पैसे टूटकर 94.90 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया पिछले कारोबारी दिन 93.51 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 139 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.90 पर पहुंच गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। फिर मामूली बढ़त के साथ 94.90 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 139 पैसे की भारी गिरावट है। रुपया शुक्रवार को 71 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.20 पर रहा।

सीनियर सिटिजन कोटे और बुकिंग के खास विकल्पों से पाएं ट्रेन में निचली बर्थ

बुजुर्गों और 45 वर्ष से अ धिक की महिलाओं के लिए विशेष कोटा

नई दिल्ली ।

ट्रेन में आरामदायक सफर के लिए लोअर बर्थ की चाहत हर यात्री को होती है, खासकर बुजुर्गों को, जिन्हें ऊपर की बर्थ पर चढ़ने में खासी परेशानी होती है। भारतीय रेलवे (आईआरसीटीसी) ने अब ऐसे यात्रियों के लिए लोअर बर्थ सुनिश्चित करने के खास तरीके बताए हैं, जिससे उनकी यात्रा सुगम बन सके। रेलवे के नियमों के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष, 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं और 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए लोअर बर्थ का एक संयुक्त कोटा निर्धारित है। यह कोटा स्लीपर से लेकर एसी क्लास तक उपलब्ध होता है, जिससे इन यात्रियों को प्राथमिकता मिलती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए टिकट बुकिंग करते समय बुजुर्ग नागरिक विकल्प का चयन करना अनिवार्य है। आइआरसीटीसी के अनुसार एक पीएनआर पर केवल 1 या 2 बुजुर्ग यात्रियों के लिए ही लोअर बर्थ मिलने की संभावना अधिक होती है। लोअर बर्थ की गारंटी हेतु रिजर्वेशन चाइस में बुक ऑनली लोउर बर्थ इज एलाउउ विकल्प चुनें। यह विकल्प सुनिश्चित करेगा कि यदि लोअर बर्थ उपलब्ध नहीं है, तो आपका टिकट बुक नहीं होगा। ध्यान रहे कि सामान्य कोटे में लोअर बर्थ का आवंटन पूरी तरह उपलब्धता पर निर्भर करता है। यदि बुकिंग के दौरान लोअर बर्थ नहीं मिल पाती है, तो यात्रा के दौरान आप ड्यूटी पर मौजूद कोच टीटीई से संपर्क कर सकते हैं। उन्हें ज़रूरतमंद यात्रियों की सहायता करने का अधिकार है और वे सीटों की उपलब्धता के आधार पर मदद कर सकते हैं।

तेल कीमतों में उछाल, कच्चा तेल 104 डॉलर के पार

हॉर्मुज में आपूर्ति बाधित, ट्रंप की चीन यात्रा पर नजर, 10 हफ्तों से जारी संघर्ष गहराया

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत विफल होने के बाद सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 104.47 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 98.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। दुनिया के महत्वपूर्ण तेल व्यापार मार्ग, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जारी तनाव के कारण तेल आपूर्ति सामान्य नहीं हो पा रही है, जिससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर संकट गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान की ओर से दिए गए जवाब को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे पिछले 10 हफ्तों से जारी संघर्ष के जल्द खत्म होने की उम्मीदें कम हो गईं। अब बाजार की नजर इस हफ्ते होने वाली ट्रंप की चीन यात्रा पर टिकी है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से ईरान मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं, इस उम्मीद के साथ कि चीन, ईरान पर दबाव डालकर युद्धविराम की दिशा में मदद कर सकता है। इस बीच सऊदी अरामको के मुख्य कार्याधिकारी अमीन नासिर ने चिंता व्यक्त की है कि पिछले दो महीनों में दुनिया को लगभग 1 अरब बैरल तेल की कमी झेलनी पड़ी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेल की आपूर्ति फिर से शुरू भी हो जाए,

तब भी बाजार को सामान्य होने में समय लगेगा। हालिया शिपिंग डेटा से पता चला है कि पिछले हफ्ते दो तेल टैंकर बिना ट्रैकिंग सिस्टम चालू किए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से निकले, जिसे ईरानी हमलों से बचने की कोशिश माना जा रहा है। इस घटना ने पश्चिम एशिया से तेल निर्यात को लेकर वैश्विक चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

डाक विभाग का 4,000 करोड़ रुपए राजस्व वृद्धि का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

पेम्मासानी ने बताया, नवाचार, जवाबदेही और सेवा विस्तार के दम पर दोगुनी होगी अतिरिक्त आय

नई दिल्ली।

संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने घोषणा की है कि डाक विभाग का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में अपनी अतिरिक्त राजस्व वृद्धि को दोगुना कर 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। यह उपलब्धि नवाचार, जवाबदेही और विभिन्न खंडों में तय लक्ष्यों की प्राप्ति के माध्यम से हासिल की जाएगी। मंत्री पेम्मासानी ने बताया कि डाक विभाग ने बीते वित्त वर्ष में 2,100 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राजस्व वृद्धि दर्ज की, जो पिछले चार दशकों में सर्वाधिक है। इस अवधि में विभाग का कुल राजस्व 13,218 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,296 करोड़ रुपये हो गया। उनका दीर्घकालिक लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में डाकघरों को लागत केंद्र से लाभ केंद्र में बदलना है। इस सफलता के लिए विभाग ने विभिन्न चुनौतियों का गहन अध्ययन किया, बाजार हिस्सेदारी की पहचान की, परिचालन बाधाओं को दूर किया और जवाबदेही सुनिश्चित की। मंत्री ने नियमित मासिक समीक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदर्शन में कमी पर पहले 15 अधिकारियों को पत्र भेजे गए थे, लेकिन अब प्रभावी निगरानी और प्रोत्साहन के कारण यह संख्या घटकर एक रह गई है। ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए 24 और 48 घंटे में स्पीड पोस्ट वितरण, उन्नत ट्रैकिंग प्रणाली और ओटीपी आधारित अलर्ट जैसी नवाचारी सेवाएं शुरू की गई हैं।

निजी क्षेत्र से प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर, 214 डाकघरों में

चौबीसों घंटे और लगभग 4,000 डाकघरों में विस्तारित कार्य घंटे की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिसे भविष्य में और बढ़ाया जाएगा। मंत्री ने जोर दिया कि आईटी के उपयोग और लक्ष्य-आधारित प्रणाली से ग्राहक संतुष्टि में सुधार आया है।

रेलवे की रफ्तार- रिकॉर्ड बजट व्यय, हवाई यात्रा को मिलेगी कड़ी टक्कर

मंत्री वैष्णव बोले- कई मार्गों पर ट्रेनें विमान सेवाओं से आगे निकलेंगी, यात्रा समय में भारी कमी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को भारतीय रेलवे की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में अपने निर्धारित बजट का 98 प्रतिशत फरवरी के अंत तक खर्च कर दिया है, जो परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन को दर्शाता है। वैष्णव ने दावा किया कि आगामी समय में देश के कई प्रमुख मार्गों पर ट्रेन सेवाएं हवाई यात्रा को पीछे छोड़ देंगी। मंत्री ने बताया कि 49,000 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण और 36,000 किलोमीटर नई पटरियों के जुड़ने से यात्रा समय में अभूतपूर्व कमी आएगी। उन्होंने कहा कि 49,000 किलोमीटर विद्युतीकरण जर्मनी के पूरे रेल नेटवर्क से अधिक है, जबकि 36,000 किलोमीटर नई पटरियां स्विट्जरलैंड के नेटवर्क का लगभग छह गुना हैं। उदाहरण के लिए, मुंबई-पुणे (28 मिनट), पुणे-हैदराबाद (1 घंटा 55 मिनट), हैदराबाद-बेंगलुरु (लगभग 2 घंटे), बेंगलुरु-चेन्नई (78 मिनट), दिल्ली-वाराणसी (3 घंटे 50 मिनट) और दिल्ली-लखनऊ (लगभग 2 घंटे) में पूरी होगी। वैष्णव ने विमानन कंपनियों को आगाह करते हुए कहा कि इन मार्गों पर 99 प्रतिशत यातायात रेलवे से होगा और निवेशकों को इस सच्चाई को अभी से समझ लेना चाहिए।

ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स 750 करोड़ के आईपीओ की तैयारी में

सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज किए दाखिल

नई दिल्ली ।

ऑडियो-विजुअल सिस्टम एकीकरण (एवीएसआई) समाधान प्रदान करने वाली कंपनी ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 750 करोड़ रुपये जुटाना है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार इस निर्गम में नए शेयरों के माध्यम से 750 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, प्रमोटर और मौजूदा शेयरधारक 57.10 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी करेंगे। बेंगलुरु स्थित यह कंपनी आईपीओ से पहले 150 करोड़ रुपये तक का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट भी कर सकती है, जिससे नए शेयर निर्गम का आकार उसी अनुपात में कम हो जाएगा। कंपनी ने बताया कि नए निर्गम से प्राप्त 750 करोड़ रुपये में से 160 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ ऋणों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए किया जाएगा। वहीं, 330 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने में लगाए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग संभावित अधिग्रहणों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए आरक्षित की जाएगी। ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स ऑडियो-विजुअल सिस्टम एकीकरण (एवीएसआई) समाधानों में विशेषज्ञता रखती है और बेंगलुरु में इसके तीन

विनिर्माण संयंत्र हैं। कंपनी ने भारत सहित सिंगापुर, मलेशिया, ताइवान, यूएई, अमेरिका और फ्रांस जैसे कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी एवीएसआई परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं।

फ्लिपकार्ट का एआई बूस्टर, छोटे शहरों के कारोबा रियों को बना रहा बड़ा सेलर

ई-कॉमर्स दिग्गज 1.4 मिलियन विक्रेताओं को सशक्त बनाकर अपनी बाजार स्थिति कर रहा है मजबूत

मुंबई ।

ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट छोटे शहरों के विक्रेताओं को देशभर में अपने कारोबार का विस्तार करने में मदद करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का उपयोग कर रही है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाला यह प्लेटफॉर्म अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करने और आगामी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से पहले अपने 14 लाख विक्रेताओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। फ्लिपकार्ट ने एआई-संचालित ऐसे डैशबोर्ड विकसित किए हैं, जो हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में तत्काल जानकारी प्रदान करते हैं।

यह उपकरण विक्रेताओं को मांग का पूर्वानुमान, मूल्य निर्धारण संबंधी सलाह और बाजार के रुझानों का विश्लेषण करने में सक्षम बनाते हैं, जो पहले उनके लिए अनुपलब्ध थे। वॉयस-एनेबल्ड प्रणाली के माध्यम से, विक्रेता अब यह पूछ सकते हैं कि क्या बनाना है, कब स्टॉक करना है और उत्पादों का सही मूल्य कैसे निर्धारित करना है। फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस और किराना प्रमुख के अनुसार, इस मार्गदर्शन ने कई व्यवसायों को हफ्तों के भीतर ही

उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करने में सहायता की है। यह पहल भारतीय ई-कॉमर्स में एक बड़े संरचनात्मक बदलाव को दर्शाती है।

गूगल और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार यह उद्योग 2030 तक मौजूदा 90 अरब डॉलर से बढ़कर 250 अरब डॉलर का अनुमानित बाजार बन जाएगा। इस वृद्धि का मुख्य चालक महानगर नहीं, बल्कि मझोले और छोटे शहर हैं, जहां पहली बार के उद्यमी और कारीगर देशव्यापी पहुंच के साथ डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड बना रहे हैं।

रिपोर्ट बताती है कि एआई इस विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि यह खरीदारों की मांग को अत्यधिक व्यक्तिगत बनाता है, संचालन को सुव्यवस्थित करता है और लाभ में 30 से 35 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद भारतीय एमएंडए बाजार मजबूत

आउटबाउंड अधिग्रहण में रिकॉर्ड उछाल, फार्मा, टेक और वित्तीय सेवा क्षेत्र बने मुख्य आकर्षण

नई दिन्ली ।

वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता और असामान्य उथल-पुथल के बावजूद, भारत का विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) बाजार अपनी पकड़ बनाए हुए है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार देश में सौदों की गतिविधियां सालाना 200 अरब डॉलर की रफ्तार से जारी रहने की उम्मीद है। यह सौदे देश और विदेश में समान रूप से बंटे होंगे, जो भारतीय बाजार में निरंतर विश्वास को दर्शाता है। सिंघी ने वैश्विक एमएंडए परिदृश्य को दो हिस्सों की कहानी बताया, जहां अमेरिका और यूरोप में बड़े सौदे और घरेलू एकीकरण हावी हैं, वहीं भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा परिवर्तन और बुनियादी ढांचा प्रमुख चालक हैं। सबसे उल्लेखनीय बदलावों में से एक विदेश में भारतीय कंपनियों के अधिग्रहण में तेजी है। हाल में घोषित सन फार्मा का विदेशी अधिग्रहण इस नई रुचि का प्रमुख संकेत है, जिसे अब तक के सबसे बड़े भारतीय अधिग्रहणों में से एक माना जा रहा है। इस प्रवृत्ति को तीन प्रमुख कारकों से बढ़ावा मिल रहा है- विनिर्माण में प्रौद्योगिकी तक पहुंच, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन, और भारतीय कंपनियों का घरेलू विकास में नरमी के बावजूद विदेशों में अपनी ऐतिहासिक विस्तार गति बनाए रखने की क्षमता, क्योंकि उनके पास मजबूत बैलेंस शीट है। दवा, स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विदेशी सौदों में रुचि वाले मुख्य क्षेत्र हैं। देश के भीतर, वित्तीय सेवाएं लगातार विदेशी रणनीतिक रुचि आकर्षित कर रही हैं। पश्चिम एशियाई निवेशक भारत में सक्रिय हैं, और एमिरेट्स एनबीडी-आरबीएल बैंक सौदा एक रणनीतिक कदम का उदाहरण है, जो जीडीपी वृद्धि हासिल करने का एक प्रभावी तरीका है।

एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को ठगों से रहें सावधान रहने की दी सलाह

फर्जी ओटीपी मैसेज से बचें, जानें असली संदेश की पहचान और शहर अनुसार कीमतें

नई दिल्ली ।

एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी अब डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) सिस्टम के जरिए हो रही है, जिससे सुरक्षा बढ़ी है पर साइबर ठग इसी का फायदा उठाकर फर्जी मैसेज भेजकर उपभोक्ताओं को धोखा दे रहे हैं। एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह सिस्टम सुनिश्चित करता है कि सिलेंडर सही ग्राहक तक पहुंचे, जिससे गलत डिलीवरी और गड़बड़ी की संभावना कम हुई है। हालांकि, इसी सिस्टम का फायदा उठाकर साइबर ठग फर्जी मैसेज भेज रहे हैं। एचपीसीएल और भारत गैस ने चेताया है कि असली मैसेज केवल वीएम-एचपीगैस-एस जैसे आधिकारिक सेंडर आईडी से 4 अंकों के ओटीपी के साथ आते हैं, जिसे सिर्फ सिलेंडर डिलीवरी के समय साझा करें। कोई भी कर्मचारी फोन वाटसएप या लिंक से ओटीपी नहीं मांगेगा। इंडेन ने भी ग्राहकों को पहले बुकिंग जांचने की सलाह दी है और कहा है कि सही मैसेज (वीके-इंडेन या वीएम-इंडेन) से 6 अंकों का डीएसी कोड) डिलीवरी बॉय के घर पहुंचने पर

ही शेयर करें।

वहीं एक तरफ सुरक्षा बढ़ रही है, दूसरी ओर एलपीजी सिलेंडर की कीमतें शहर-शहर अलग-अलग हैं। बेंगलुरु में घरेलू सिलेंडर 915.50 रुपये, हैदराबाद में 965 रुपये और इंदौर में 941 रुपये में उपलब्ध है। पटना में यह 1002.50 रुपये तक पहुंच गया है। ये दरें डिस्ट्रीब्यूशन और स्थानीय लागत के आधार पर निर्भर करती हैं।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी ओर यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंट जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है।

अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरात ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- साई किशोर

सनराइजर्स हैदराबादः पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, इम्पैक्ट प्लेयर- हर्ष दुबे

स्पेन के राफेल जोडार इटैलियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

-अर्नाल्डी को हराया, टिएन से होगा मुकाबला

रोम (एजेंसी)। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी राफेल जोडार ने इटैलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ ही चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोडार ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वाइल्डकार्ड धारी अर्नाल्डी को हराकर जोडार ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है।

स्पेनिश खिलाड़ी ने पहले सेट को 6-1 से जीता पर दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने 6-4 से जीत दर्ज कर अच्छी की। वहीं निर्णायक तीसरे सेट में जोडार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जोडार ने इस साल क्ले कोर्ट पर अपना 14-2 का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। इस सत्र में उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। साथ ही बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक वह पहुंचे थे।

जीत के बाद जोडार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोम में किसी इटैलियन खिलाड़ी के साथ खेलना कभी आसान नहीं रहता। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया पर मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला। अब जोडार का मुकाबला लर्नर टिएन से होगा

इससे पहले, लर्नर अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। इंडियन वेल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के बाद से ही टिएन की यह अच्छी वापसी है। टिएन साल 2002 में एंडी रोडिक के बाद रोम के चौथे राउंड में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के अमेरिकी खिलाड़ी हैं। एक अन्य मुकाबले में विश्व के पूर्व नंबर 2 कैस्पर रूड ने भी चेक गणराज्य के 11वें वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को ठीक 80 मिनट में 6-3, 6-4 से आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया है।

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद मुंबई इंडियंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है। ये दोनो ही टीमों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और अंतिम पायदान पर होने के करण ये प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायीं। लखनऊ को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जबकि मुंबई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इससे दोनो का ही अभियान समाप्त हो गया।

मुंबई को अंतिम गेंद पर आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा।

मुंबई इंडियंस के लिए यह सीज़न अच्छा नहीं रहा था। टीम की कप्तानी में बदलाव, लगातार हार और सही संयोजन न मिल पाने के कारण उसके प्लेऑफ की रहा बंद हो गयी। टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या भी कई मैचों में खेल नहीं पाये। रोहित शर्मा की भी फिटनेस ठीक नहीं रही जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। इस प्रकार 11 मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में नौवें स्थान पर है।वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी इसी प्रकार का रहा है। सीएसके से मिली हार के बाद वह भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। 11 मैच खेलने के बाद लखनऊ की टीम ने केवल 3 मैच ही जीते। इससे उसे 6 अंक ही मिल पाये। उसका नेट रन रेट भी काफी कम रहा। अंक तालिका में ये दोनो अपने बचे हुए मैच जीतने के बाद भी केवल 12 अंक तक ही पहुंच पाते। अभी शीर्ष चार टीमों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के ही 14-14 अंक हैं, जबकि पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे नंबर पर बरकरार है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे हैं हेल्स

लंदन (एजेंसी)। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जैसे छोटे प्रारुप में जहां कई खिलाड़ियों ने शतक लगाये हैं। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो केवल एक रन से शतक नहीं लगा पाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स थे। साल 2012 में नॉटिंघम के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में हेल्स ने केवल 68 गेंदों में 99 रन रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाये थे पर वह अपना पहला शतक पूरा नहीं कर पाये। रवि रामपॉल की एक गेंद पर वह आउट हो गये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 99 पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी रहे हैं।

वहीं 99 पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज डेनमार्क के हामिद शाह रहे हैं। साल 2022 में हामिद ने फिनलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के

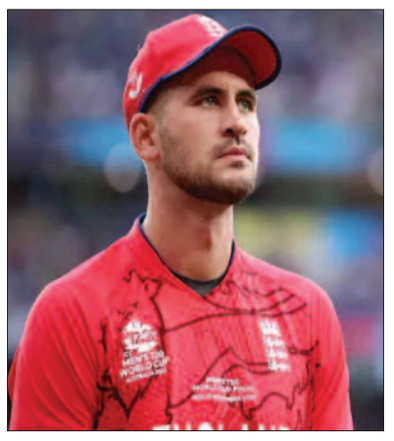

लगाकर 99 रन बनाए। हामिद भी 99 पर पहुंचकर आउट हो गये। साल 2024 में थाईलैंड के बैंकॉक में सऊदी अरब के अब्दुल वहीद ने कंबोडिया के खिलाफ केवल 58 गेंदों में ही 99 रन बना दिये। इस पारी में में 9 शानदार चौके और 6 विशाल छक्के शामिल थे पर वह भी शतक से ठीक पहले आउट हो गये।

इसके अलावा ओमान के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी प्रकार आउट हुएहुए। ओमान के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 99 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाये पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। ये चारों ही पारियों इन खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी निराशाजनक रही। ये चारों घटनाएं इस बात साबित करती हैं कि क्रिकेट में कभी-कभी एक रन की दूरी भी बड़ी बन जाती है। भले ही ये बल्लेबाज अपने शतक नहीं लगा पाये पर उनकी ये 99 रन की पारियां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद की जाती रहेंगी।

बीसीसीआई ने अंपायर से बहस के लिए फ्लावर पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए जुर्माना लगाया है। बीसीसीआई के अनुसार मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। उन पर मैच के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगे हैं। फ्लावर ने इसे स्वीकार कर लिया है जिस कारण उनपर आगे कार्रवाई नहीं होगी। इस मैच में आरसीबी लक्ष्य का पीछा कर रही थी। तभी 18वें ओवर के दौरान नमन धीर ने कुनाल पंड्या का का कैच पकड़ने का प्रयास किया । इसके बाद अंपायर ने कुनाल को आउट करार दिया हालांकि इस पर संशय था जिससे फ्लावर भड़क गए और चौथे अंपायर से बहस करने लगे। इसी दौरान उन्होंने अंपायर को अपशब्द कह दिये। इसी कारण उन्हें आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया। इसी को लेकर मैच रेफरी अमित शर्मा ने फ्लावर पर जुर्माना ठोक दिया। आईपीएल में किसी मैच अधिकारी पर उठे विवाद का ये पहला मामला नहीं है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर पर भी डगआउट में मोबाइल पर बात करने के कारण विवाद उठा था। इसके बाद उन पर भी भारी भरकम जुर्माना लगा था।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

-निगार सुल्ताना करेंगी कप्तानी

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं जिससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढ़लने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज़ के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी। टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में

नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेगी।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर 29 वीं बार जीता ला लीगा खिताब

मैड्रिड । बार्सिलोना ने यहां हुए एक मुकाबे में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर 29 वीं बार स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल खिताब जीता है। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। एक बार फिर फुटबॉल जगत में अपनी श्रेष्ठता साबित की। वहीं रियल मैड्रिड को इस खिताबी मुकाबले में अपने तीन प्रमुख खिलाड़ियों की कमी खली। उसके स्टार खिलाड़ी काइलियन एम्बाप्पे हैमस्ट्रिंग फेडेरिको वाल्वरडे और डीन हुइजसेन चोटिल होने के कारण इस मैच में शामिल नहीं हुए। इससे टीम के खेल पर काफी प्रभाव पड़ा उसकी आक्रामकता और मध्यपंक्ति कमजोर हुई। बार्सिलोना ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए शुरुआती मिनटों में ही दबाव बनाना शुरू कर दिया। मैच के नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने पहला गोल दागकर बार्सिलोना को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके कुछ ही देर बाद, 18वें मिनट में टोरेस ने डैनी ओल्मो के पास पर खेल कर बार्सिलोना की बढ़त को 2-0 कर दिया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही रियल मैड्रिड ने वापसी का अच्छा प्रयास किया पर बार्सिलोना की रक्षापंक्ति ने इस प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद देनो ही टीमों ने गोल करने के प्रयास किये पर असफल रहे। मुकाबले के दौरान, रियल मैड्रिड ने वापसी करने के कई प्रयास किए, लेकिन बार्सिलोना के रक्षापंक्ति ने उसे अवसर नहीं दिया। जीत के बाद बार्सिलोना के खिलाड़ी जश्न में डूबे दिखे।

वैभव को बटलर ने उपहार में दिया बल्ला

जयपुर । आईपीएल के इस सत्र में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन कर 400 से अधिक रन बनाये हैं। इस दौरान वैभव ने कई रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। वैभव की इस सत्र में

आक्रामक बल्लेबाजी देखकर सभी हैरान हैं। जिस प्रकार से वह निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं उसकी सभी ने प्रशंसा की है। वैभव के इस प्रदर्शन पर गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ने उन्हें उपहार में एक बल्लास दिया है। बल्ला देते हुए बटलर ने कहा कि इसपर ऑटोग्राफ नहीं दूंगा बल्कि इससे तुम्हें खेलना है। इस नजारे को देख क्रिकेट प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। बटलर ने स्वयं वैभव से मुलाकात की। इस वीडियो में वैभव की मासूमियत और खेल के प्रति उनका जुनून नजर आया। वीडियो में वैभव कहते सुनाई देते हैं, 'बल्ला ले लेता हूं जाकर।' इसके बाद दोनों खिलाड़ी डगआउट की ओर बढ़ते हैं। बटलर ने तभी वैभव को अपना एक बल्ला उपहार में दिया। जब वैभव से कहा गया कि इस बल्ले पर बटलर के ऑटोग्राफ ले लो, तो वैभव ने कहा कि इसे उन्हें खेलने के लिए दिया गया है। वैभव ने इस मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 16 गेंदों पर ही 36 रनों की आक्रामक पारी खेली थी पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये हालांकि इस दौरान उन्होंने रिकार्ड जरुर बना लिया। वैभव ने पारी का पहला छक्का लगाते ही टी20 क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए। वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनका 236.56 का स्ट्राइक रेट है। जहां अन्य बल्लेबाज 150-160 का स्ट्राइक रेट के रन बना रहे हैं।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवसर मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

शिविर के महत्व पर जोर देते हुए मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण कैंप होगा। हमारा मुख्य ध्यान खिलाड़ियों की फिटनेस और खेल के उन विशिष्ट क्षेत्रों पर रहेगा, जहां हमें सुधार की आवश्यकता है। हम लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर अगले स्तर तक पहुंचना चाहते हैं। है।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंची आरसीबी

रायपुर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं इस हार के साथ ही मुंबई की टीम अंतिम स्थान पर खिसक गयी है। इस जीत के साथ ही आरसीबी की प्लेऑफ के लिए दावेदारी मजबूत होगी। इस मैच में 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की। इसी के साथ ही मुंबई की टीम को11 मैचों में आठवीं हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही मुम्बई की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद प्लेऑफ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है। वहीं इस जीत के साथ ही आरसीबी के अब सबसे अधिक 14 अंक हो गये हैं और वर नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं इतने ही अंक लेकर सरनरइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि इनका नेट रन रेट कम रहा है। इस में आरसीबी को जीत के लिए 15 रनों की जरुर थी। मुंबई की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने राज अंगद बावा को ओवर दिया। ओवर की शुरुआत में वाइड और नो-बॉल से हुई, जिससे आरसीबी को आसानी से 5 रन मिल गए। बावा ने तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मुंबई की उम्मीदें जगा दीं पर इसके बाद एक और वाइड से टीम को नुकसान हुआ। अगली गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर मैच एक बार फिर आरसीबी के पाले में कर दिया। इसके बाद आरसीबी को केवल गेंदों में तीन रन चाहिए थे। पांचवीं गेंद पर एक रन लेने के बाद अंतिम गेंद पर दो रन की जरूरत थी।

कुश्ती से संन्यास नहीं लूंगी, विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर लगाया आरोप

गोंडा (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। विनेश फोगाट ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि वह इस खेल को छोड़ दें, लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगी और उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगी। WFI ने विनेश को यहां होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तब तक अयोग्य घोषित कर दिया था, जब तक उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती।

विनेश प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचीं और दावा किया कि वह मुकाबले में वापसी के लिए पात्र हैं, जबकि महासंघ ने डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि का हवाला देते हुए उन्हें 26 जून 2026 तक अयोग्य घोषित कर दिया है। WFI ने उनकी भागीदारी को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। WFI अधिकारियों से मिलने के बाद विनेश ने पत्रकारों से कहा, 'आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वे चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं। संजय सिंह, बृज

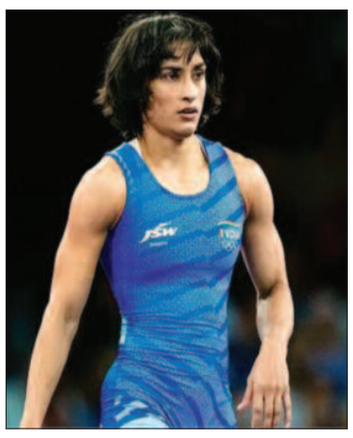

भूषण, उनकी टीम-वे सभी जिनका इस पर नियंत्रण है, जिनके पास सत्ता है।'

विनेश ने कहा कि उन्होंने WFI के कारण बताओ नोटिस पर संक्षिप्त जवाब भेज दिया है और 14 दिनों के भीतर विस्तृत जवाब देंगी। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे (संजय सिंह) कहा कि 14 दिनों में विस्तृत जवाब दे दूंगी, लेकिन उससे पहले ही मुझे दोषी कैसे माना जा सकता है? कम से कम 14 दिनों तक तो मुझे मत रोकिए। उसके बाद जो कार्रवाई करनी हो, कर लीजिए। लेकिन वह विस्तृत जवाब पर ही अड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने 12 दिसंबर को पत्र भेजकर बताया था कि मैं खेल में वापसी करना चाहती हूं और प्रशिक्षण शुरू कर चुकी हूं। फिर छह महीने तक इंतजार क्यों किया गया? मैं प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंची और तब मुझ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह बात पहले भी बताई जा सकती थी। ऐसा लगता है कि मुझे प्रतिबंधित करने का पहले से ही फैसला कर लिया गया था। यह पूरी तरह पूर्व-नियोजित है।' विनेश ने कहा, 'हम अपने वकील के जरिए पहले ही जवाब दे चुके हैं। अब हम एक और विस्तृत जवाब तैयार कर रहे हैं, जिसमें अपनी ओर से हर संभव बात रखेंगे। लेकिन मैं उन बातों को स्पष्ट करना चाहती हूं जो नोटिस में लिखी गई हैं। उनमें से एक बिंदु विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से संबंधित था।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या हाल के घटनाक्रमों के बाद वह अदालत का रुख करेंगी, तो विनेश ने कहा, 'देखते हैं। हम अपनी क्षमता के अनुसार जो कुछ भी कर सकते हैं, करने की कोशिश करेंगे।' विनेश ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए उन्हें वाडा से अनुमति मिल चुकी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने एक बार अपनी उपस्थिति' की जानकारी अपडेट नहीं की थी, जबकि खिलाड़ियों को तीन बार ऐसी छूट होती है। कोई भी शीर्ष खिलाड़ी कभी-कभी ऐसी भूल कर सकता है। उस समय मैं विधानसभा सत्र में व्यस्त थी और अपडेट करना भूल गई थी। इसके लिए मैंने वाडा से माफी भी मांगी।'

विनेश के अनुसार, 'वाडा ने मुझे क्लीन चिट दी और कहा कि मैं किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकती हूं। लेकिन यहां (WFI) कहा जा रहा है कि वे संतुष्ट नहीं हैं। मैंने डोप टेस्ट के बाद ही प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं डोपिंग को लेकर पूरी तरह पाक-साफ हूं और हमेशा रही हूं। मैं किसी का हक नहीं छीन रही, बस अपने लिए निष्पक्ष मौका चाहती हूं।'

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पिछले साल जून में ही खेल में वापसी की सूचना दे दी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने जून में ही बता दिया था कि मैं फिर से कुश्ती शुरू कर रही हूं, आप मेरा टेस्ट (डोपिंग जांच) कर सकते हैं। मैंने उन्हें छह महीने का समय दिया। अब यह उनका अधिकार है कि वे कब टेस्ट करना चाहते हैं।' विनेश ने यह भी दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि एक जनवरी 2026 से वे अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में हिस्सा ले सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं नियम जानती हूं और वाडा के प्रति जवाबदेह हूं। मैंने ब्रेक के लिए अनुरोध किया था क्योंकि मैं गर्भवती थी। बाद में मैंने वापसी की सूचना भी दे दी थी।'

विनेश ने कहा कि पहलवानों को जिन असुरक्षाओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें दूर करना डब्ल्यूएफआई नेतृत्व की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'मैं इतने वर्षों से इस दौर से गुजर रही हूं, इसलिए मेरे मन में ये असुरक्षाएं हैं। डब्ल्यूएफआई के प्रमुख के तौर पर इन असुरक्षाओं को दूर करना आपकी जिम्मेदारी है।' पास के अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद विनेश ने WFI के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया। उन्होंने दावा किया कि संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों से संबंधित विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) का नियम 5.6.1 उन पर लागू नहीं होता, क्योंकि उन्होंने जून में ही यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) को संन्यास के बाद दोबारा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया था।

UWW के सूत्रों ने हालांकि बताया कि महासंघ उनके जवाब से संतुष्ट नहीं था। उनका मानना था कि पहलवान ने केवल पात्रता वाले पहलू पर ही बात की है, जबकि शनिवार को जारी विस्तृत नोटिस में उन पर लगाए गए व्यापक अनुशासनात्मक आरोपों का उन्होंने पूरी तरह से जवाब नहीं दिया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यवकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 3886

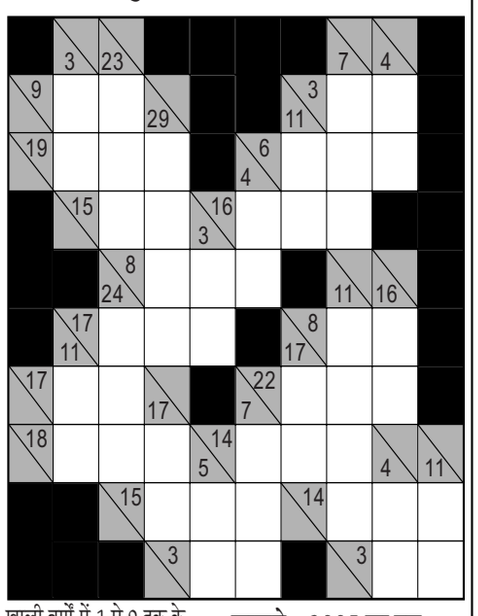

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

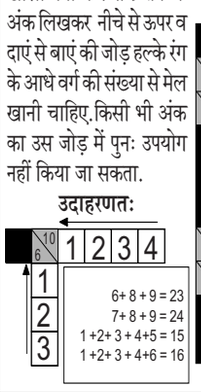

काकुरो - 3885 का हल

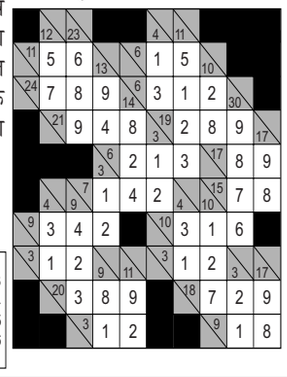

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3886

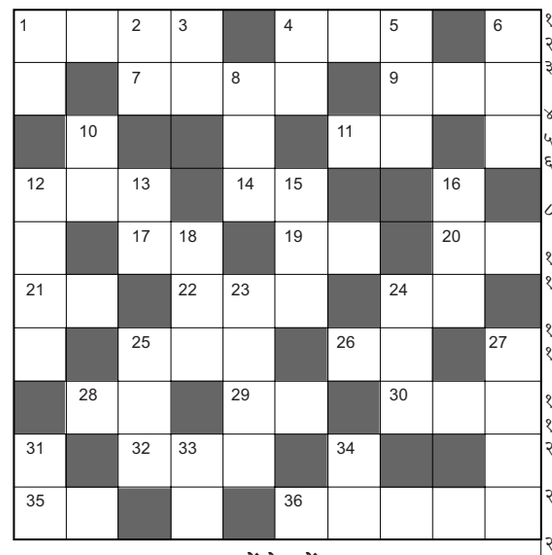

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नहीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3885

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रे	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -3886

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3885 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 3886

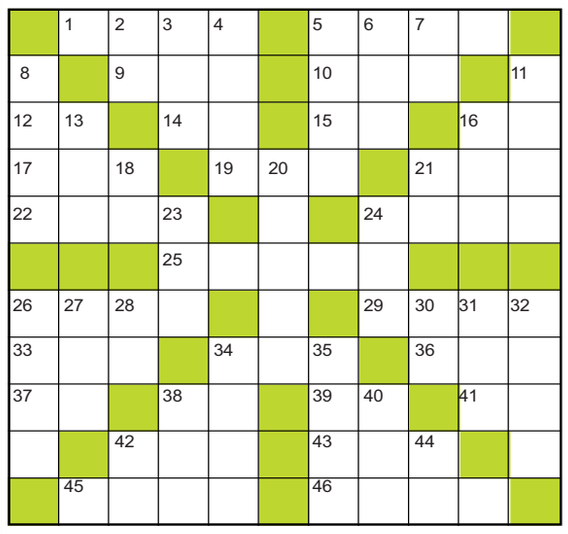

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति, -4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी, चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा, भगवान-2

शब्द पहेली -3885 का हल

	म	ल	म	ल			र	ह	न	
चा	य		हा		जा	सू	स		शा	म
दु			रा	श	न		म			न
का	र	गु	जा	री		का		दु	का	न
र		ना		फ	न	का	र		फि	
	चा	ह						भ	ला	
	ह		अ	च	क	न		वं		अ
क	त	रा		र्म		क	म	र	बं	द
म			व		ला	ल	च			र
र	न		ल	की	र		ल		आ	क
	म	ज	मा			अ	ना	या	स	

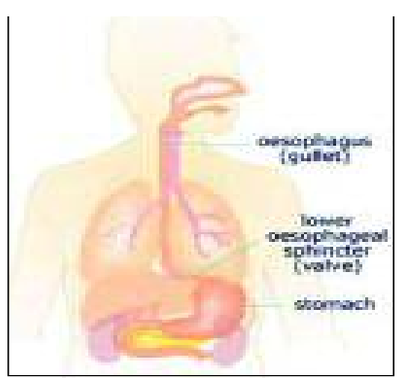

भोजन नली का कैंसर

यह कैंसर उन लोगों में पाया जाता है, जो तम्बाकू सेवन के आदी होते हैं और साठ साल के बाद भी इसका सेवन करते रहते हैं। तम्बाकू के साथ ही यदि कोई व्यक्ति शराब का नियमित सेवन करता है तब तो और भी अधिक जानलेवा हो सकता है । उम्र बढ़ने के साथ प्रतिरोध क्षमता घटने लगती है, ऐसी अवस्था में इनका सेवन घातक हो सकता है।

जरूरी नहीं कि यह जानलेवा बीमारी धूम्रपान और शराब का सेवन करने वालों को होती हो। पोषण युक्त भोजन की कमी से भी यह बीमारी हो सकती है। यह बीमारी महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों में ज्यादा होती है। भारत में यह बीमारी तेजी से फैल रही है। शुरूआत में निगलने में कष्ट और चिपचिपापन महसूस होता है। लेकिन, लंबे समय बाद बीमारी अपना रूप लेने लगती है। इसके लिए देरी न करके तुरन्त चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। अन्यथा यह श्वसन नलिका तक फैलकर 'ट्रेकियो इसोफेजियल फिस्टुल' उत्पन्न कर सकती है।

प्रारंभिक अवस्था में प्राकृतिक उपचारों से ही इस पर काबू पाया जा सकता है। आजकल काजू या बादाम कतली पर चांदी नुमा सफेद पर्त लगा दी जाती है, जो शादी विवाहों के अवसर पर मेहमानों को परोस दी जाती है। चांदी और सोने के भावों से प्रत्येक वाकिफ है। ऐसे में यह सफेद पर्त एल्यूमिनियम की ही पतली परत होती है ,जो कैंसर को सीधा निमंत्रण देती है। कुछ होमियोपैथिक दवाइयां जैसे कार्सिनोसिन, लेपिस एल्बा, कार्बोवेज चिकित्सक की सलाह से लेने से लाभ मिल सकता है। जवारे का रस रोजाना सुबह खाली पेट पीने से काफी फायदा होगा।

खूब सूप पिएं और कैलोरी घटाएँ

क्या आप अपनी कैलोरी कम करने का कोई कारगर तरीके तलाश रहे हैं? तो हमारे पास आपके लिए कैलोरी घटाने का एक बहुत आसान तरीका है। अपनी कैलोरी घटाने के लिए भोजन करने से पहले बस आप सूप का सेवन करिए। फिर देखिए, आपकी कैलोरी कितनी कम हो जाती है।

पेन स्टेट में की गई शोध से इस तथ्य का पता चला है कि भोजन के पहले कैलोरी कम करने वाले सूप के सेवन से कैलोरी घटाने में काफी सहायता मिलती है। इतना ही नहीं सूप के सेवन से आपकी कैलोरी में 20 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है।

शोधकर्ता बार्बरा रोल्स के अनुसार, विभिन्न प्रकार के सूप का शरीर में जाने वाले भोजन की मात्रा पर अलग-अलग असर पड़ता है। वह यह भी कहती हैं कि हमारे इस शोध का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के सूप का शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव का पता लगाना है।

साथ ही इस शोध में शोधकर्ताओं ने यह भी माना कि सूप को बनाने के तरीके का भी भोजन लेने की मात्रा पर बहुत प्रभाव पड़ता है। इस शोध में चिकन, ब्रोकली, आलू, फूलगोभी, गाजर और मक्खन से बनाए गए सूप का अध्ययन किया गया।

इतना ही नहीं, इन सब्जियों से अलग-अलग विधि द्वारा विभिन्न रूपों में तैयार सूप का भी परीक्षण किया गया। शोध से पता चला कि विभिन्न प्रकार के सूप को चबाने की मात्रा पर भी निर्भर करता है, कि वह सूप कैलोरी को कितनी मात्रा में कम कर सकता है।

साथ ही इस शोध में यह भी पाया गया कि अधिक क्रीम वाले या कैलोरी बढ़ाने वाले सूप का सेवन शरीर के लिए काफी नुकसानदनक है। ऐसे सूप के सेवन से 100 से 150 तक कैलोरी में वृद्धि हो सकती है। इस शोध का पूरा विवरण वाशिंगटन में हुई ऐक्सपेरिमेन्टल बायोलाजी कान्फ्रेन्स में प्रस्तुत किया गया।

असरकारी उपाय : जरूर आजमाएँ

- नींद न आने की बीमारी में ज्यादा मात्रा में दही खाना या एक गिलास पानी में 2 छोटे चम्मच शहद मिलाकर पीना लाभप्रद होता है।
- जख्मों पर पड़े कीड़ों का नाश करने के लिए हींग पावडर बुरक दें।
- दाढ़ दर्द के लिए हींग रूई के फाहे में लपेटकर दर्द की जगह रखें।
- शीत ज्वर में ककड़ी खाकर छाछ सेवन करें। शराब की बेहोशी में ककड़ी सेवन कराएँ।
- अरहर के पत्तों का रस पिलाने से अफीम का नशा कम हो जाता है।
- आधी छटाँक अरहर दाल पानी में उबालकर उसका पानी पिलाने से भाँग का नशा कम हो जाता है।
- बिना दूध व शकर की अदरक वाली चाय पीने से भी पेट दर्द ठीक होता है।
- अजवाइन को कुछ देर चबाने के बाद एक कप गर्म पानी पी लेने से पेट दर्द से छुटकारा मिल जाता है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

अगले प्रोजेक्ट में कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे ईशान

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर को आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म उत्तर भारतीय शहर में दो बचपन के दोस्तों चंदन, एक दलित और शोएब एक मुस्लिम की कहानी है। दोनों पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी से सब कुछ बदल जाता है। ईशान अब 'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे। निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की थी।

टॉक्सिक में यश के साथ बोल्ड सीन वाली खबरों पर कियारा आडवाणी ने दिया रिएक्शन

कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। जब इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ तो इसमें दिखाए गए बोल्ड सीन चर्चा का विषय बन गए। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि कियारा और यश के बीच फिल्म में कुछ बोल्ड सीन हैं। खबरें यह भी थीं कि कियारा ने मेकर्स से उन सीन को थोड़ा कम करने की गुजारिश की है। इस मामले पर अब कियारा ने रिएक्शन दिया है।

कियारा ने दिया रिएक्शन

इस तरह की खबरों को कियारा आडवाणी ने सिरे से खारिज किया है जिनमें कहा गया था कि उन्होंने मेकर्स से बोल्ड सीन कम करने की गुजारिश की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें यश के साथ उनकी तस्वीर है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'बिल्कुल बकवास!' कियारा के यह साफ करने के बाद कि ये खबरें झूठी हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में उनके और यश के बीच कोई बोल्ड सीन होंगे या नहीं।

इस वजह से टल गई रिलीज डेट

'टॉक्सिक' इस साल मार्च में, ईद के मौके पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि, इसकी रिलीज डेट 4 जून 2026 तक के लिए टाल दी गई थी, ताकि यह फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ क्लैश होने से बच जाए। मगर कुछ दिनों पहले मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर आगे बढ़ाई जा रही है।

4 जून को नहीं रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'टॉक्सिक' पूरी हो चुकी है। हम इस समय इसके ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और पार्टनरशिप को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज टाइमलाइन को फिर से तय करने का फैसला किया है। हालांकि पहले घोषणा की गई थी कि हम इसे 4 जून को रिलीज नहीं करेंगे। हम इसे बाद में तय की गई किसी तारीख पर रिलीज करेंगे।'

कौन है फिल्म की निर्देशक

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे। इसके निर्देशक गीतू मोहनदास हैं।

मेरे लिए 'लुक्खे' में गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है

म्यूजिकल एक्शन-ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' पंजाब की गलियों, वहां की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जबरदस्त एक्शन और रैप संगीत के शानदार मेल को बखूबी दर्शाता है। इसकी कहानी एक युवा एथलीट लकी के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी दुनिया में तब मोड़ आता है, जब उसे ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पंजाब की खतरनाक रैप दुनिया में कदम रखना पड़ता है। जैसे-जैसे वह इस अंडरवर्ल्ड के भीतर जाता है, वह न केवल अपराध बल्कि प्यार, परिवार, पछतावे और दोस्ती के जटिल जाल में फंस जाता है। ट्रेलर एक ऐसे सफर की ओर इशारा करता है, जहां एक खिलाड़ी को अपनी नैतिकता और मिशन के बीच चुनाव करना पड़ता है। इस सीरीज के जरिए रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। सीरीज में अभिनेत्री राशी खन्ना पुलिस अधिकारी गुरबानी की भूमिका में नजर आएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'यह सीरीज केवल रोमांस और रैप बैटल्स के बारे में नहीं है, बल्कि उस धुंधली सीमा के बारे में है, जहां सही और गलत के बीच फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है। क्योंकि भले ही मैंने कई भाषाओं में काम किया हो, लेकिन पंजाबी मेरी असली जड़ है। गुरबानी एक ऐसी लड़की है, जो अपने अंदर बहुत सारा अनकहा दुख समेटे हुए है। वह अपनी आवाज ऊंची नहीं करती, लेकिन उसकी मौजूदगी स्क्रीन पर गहरा असर डालती है। वह एक कोमल लड़की भी है और जरूरत पड़ने पर एक तेज-तर्रार पंजाबन भी।' राशी ने स्क्रिप्ट की सराहना करते हुए शो के निर्माता अग्निम, डेबोज और निर्देशक हिमांकर का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस जटिल कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है।

रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का शेड्यूल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने मंगलवार को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' का केरल शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की टीम के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी पूरी टीम के साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। वीडियो में सेट की थकान के बावजूद पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ देखी जा सकती है। रश्मिका ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, 'दोस्तों, एक छोटा सा अपडेट यह है कि हमने केरल में माइसा का एक लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। ये कुछ प्यारे लोग हैं, जिन्होंने बहुत मेहनत की और इस प्रोजेक्ट को मुमकिन बनाया। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया। मैं जल्द ही दोबारा सेट पर वापसी करूंगी।' फिल्म 'माइसा' में रश्मिका का किरदार उनके पिछले किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। केरल की खूबसूरत लोकेशन्स पर इस फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी इस बेहतरीन अनुभव के लिए टैग किया है। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है। 'माइसा' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।' उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।'' रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।'' उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है

पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिर से अपनी एक पंजाबी फिल्म 'पिट्ट सियापा' के साथ लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताया।

आपकी फिल्मी सफर बहुत ही दिलचस्प रहा। आपने मॉडलिंग भी की है, साउथ में भी काम किया है और पंजाबी से लेकर बॉलिवुड तक में काम किया है। आप अपनी इस यात्रा को कैसे देखती हैं?

जब मैं अपना सफर देखती हूं, तो कभी सोचा नहीं था कि यहां तक पहुंच जाएंगे या जिंदगी में कुछ कर लेंगे। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो सोचती हूं कि आखिर कैसे हुआ। क्योंकि मैंने सारे डिसीजन तो सही नहीं लिए। जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, आपकी कोई ट्रेनिंग नहीं है, कोई आपको गाइड करने वाला नहीं है, आपको पीछे से सपोर्ट देने वाला नहीं है, तो आपकी एक गलती भी आपको बहुत पीछे लेकर जा सकती है। मुझे लगता है कि मैंने ऐसे कई फैसले लिए जो शायद नहीं लेने चाहिए थे, कई जगह हां बोला, जहां ना कहना चाहिए था। लेकिन वही है न कि आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। तो बस मुझे यही लगता है कि मैंने बहुत शिद्दत और ईमानदारी से काम किया और लोगों का प्यार मिलता रहा। तभी तो इतनी सारी गलतियां भी माफ हो गईं। कई प्रोजेक्ट्स जो शायद नहीं करने चाहिए थे, वह भी ऑडियंस भूल जाती है क्योंकि ऑडियंस को आप अपने लगने लगते हैं। इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंच जाऊंगी।

आपकी फिल्म पिट्ट सियापा का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प है। क्या आप कभी ऐसी सिचुएशन से असल जिंदगी में भी रूबरू हुई हैं?

समाज में जब आप रहते हैं तो आपकी जिंदगी में कभी ना कभी तो होता ही है कि जब आप किसी के फ्यूनरल में जाते हैं। मेरी भी लाइफ में ऐसा हुआ है। मुझे पक्का यकीन था कि मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे कोई काम नहीं मिलने वाला। पता नहीं कैसे मुझे पंजाब 1984 मिली, जिसे नैशनल अवॉर्ड मिला। उस फिल्म ने मेरे करियर का ग्राफ तो चेंज किया ही, मेरा सोचने का तरीका भी बदल दिया। और वहां से मैंने सोचा कि अब मैं फिल्मों में ही काम करूंगी। और वहां से यहां तक के सफर में बहुत कुछ मिला, जो कि बिल्कुल भी आसान नहीं था।

आपकी फिल्म में डायलॉग है जिसमें आप कहते हैं कि दिलजीत दोसांझ जिंदाबाद थे, हैं और रहेंगे। आपने तो फिल्म बॉर्डर 2 में साथ काम भी किया है। उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?

बॉर्डर 2 दिलजीत के साथ मेरी दूसरी फिल्म थी। पहली थी पंजाब 1984, उनकी भी सफलता बेमिसाल है, पंजाब में दर्शकों का दिल जीतने से लेकर भारत और अब एक ग्लोबल स्टार बनने तक। मैं जब भी उनकी तरफ देखती हूं तो यही अहसास होता है कि लाइफ में हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो मेरे साथ भी हो सकता है। दिलजीत वाकई बहुत मेहनती हैं और बहुत फोकस्ड भी हैं।

पंजाबी सिनेमा ने अपनी पहचान बनाई, इसकी क्या वजह मानती हैं

मैं आपकी इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि लोग पंजाबियों को बहुत प्यार करते हैं, उनकी भाषा लोगों को बहुत स्वीट लगती है, बड़ी अपनी सी लगती है। संगीत में भी, कोई नॉन पंजाबी भी है, तो भी हर एक की प्ले लिस्ट में पंजाबी गाना होगा। पहले तो लोग कहते थे अरे ये डांसिंग डांस वाले गाने हैं, लेकिन आप सतेंद्र सरताज जी के गाने सुनें, वह जब मुंबई या पुणे में कॉन्सर्ट करते हैं, तो उनका कार्यक्रम सोल्ड आउट होता है। वह कोलकाता में करें, मुंबई में करें या पुणे में करें, बहुत सारे नॉन पंजाबी लोग उनके कॉन्सर्ट में आते हैं। तो शायद ये मेहरबानी कुदरत की है कि लोगों को इस भाषा से बहुत प्यार है, इस कल्चर से बहुत प्यार है। हिंदी सिनेमा भी बहुत समय तक पंजाब से जुड़ी कहानियां दिखाता आया है, तो लोगों के अंदर वह प्यार बना हुआ है। अभी पंजाबी इंडस्ट्री दूसरी फिल्म इंडस्ट्रीज की तुलना में बहुत नई और काफी छोटी है। इस इंडस्ट्री में अच्छा करने की बहुत संभावनाएं हैं। हम कोरियन सिनेमा, फ्रेंच कॉन्टेंट या इस्राइली सिनेमा भी सब-टाइटल्स के साथ देखते हैं। तो थोड़ा सा जो बैरियर है भाषा का, वह भी कम होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ये भी एक कारण है कि लोग पंजाबी सिनेमा को इतना प्यार करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हॉलीवुड निर्माता व वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व कार्यकारी टोनी का निधन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेलीविजन निर्माता और वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व प्रोडक्शन वाइस प्रेसिडेंट टोनी अमतुलो का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार के अनुसार, एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया से जूझने के बाद 3 मई को न्यूयॉर्क में उन्होंने अंतिम सांस ली। 14 जुलाई 1949 को मैनहट्टन में जन्मे अमतुलो ने फेम और मियामी वाइस जैसे लोकप्रिय शो में बतौर सहयोगी निर्माता काम किया। उन्होंने स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्मों द गूनीज और द कलर पर्पल में मैनेजर की भूमिका निभाई।

कनाडा : दंपती की हत्या में 3 भारतवंशी दोषी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की एक अदालत ने एबॉट्सफोर्ड में एक बुजुर्ग दंपती की बर्बर हत्या के मामले में भारतीय मूल के तीन लोगों को फर्स्ट-डिग्री मर्डर का दोषी ठहराया है। ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस ब्रेंडा ब्राउन ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि गुरकरण सिंह, अभिजीत सिंह और खुशवीर तूर ने इस हत्याकांड में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अर्नाल्ड और जोआन डी जोंग मई 2022 में अपने घर में मृत पाए गए थे। अभियोजकों ने अदालत को बताया कि तीनों आरोपियों ने मिलकर लूटपाट और हत्या की साजिश रची थी। उन्होंने घर से क्रेडिट कार्ड, चेक और एक पावर वॉशर चुराया था। ये तीनों आरोपी अभिजीत सिंह की सफाई कंपनी में काम करते थे, जिसने पहले इस दंपती के घर काम किया था। दंपती के शव अलग-अलग कमरों में मिले थे। अर्नाल्ड का चेहरा डक्ट टेप से लिपटा था, जबकि जोआन खून से लथपथ मिली थीं। दोनों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे थे। अदालत में पेश साक्ष्यों में घटनास्थल से मिला डीएनए, हत्या में इस्तेमाल रस्सी और संदिग्धों की गाड़ी से बरामद मेटल का बेसबॉल बैट शामिल है। फोन डाटा से पता चला कि हत्या के बाद अभिजीत ने इंटरनेट पर सजा संबंधी कानून भी सर्च किए थे। दोषियों को सजा 28 मई को सुनाई जाएगी।

हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

मिसिसिपी , एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी स्टेट यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार की अंतिम परीक्षाएं स्थगित कर दीं ताकि छात्र अपना संभावित रूप से खोया हुआ कार्य दोबारा प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान के छात्र ऑब्री पामर ने बताया कि वह और अन्य छात्र लगभग 2,900 शब्दों का परीक्षा निबंध पूरा कर चुके थे, तभी अचानक स्क्रीन पर फिरौती वाला संदेश दिखाई देने लगा।

ऑस्ट्रेलिया से कनाडा तक विश्वविद्यालय प्रभावित

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी ने छात्रों को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कैनवस फिलहाल उपलब्ध नहीं है और छात्र लॉगिन करने की कोशिश न करें। विश्वविद्यालय ने स्वीकार किया कि सेमेस्टर के बेहद महत्वपूर्ण समय में यह व्यवधान छात्रों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर रहा है। विश्वविद्यालय ने बताया कि वह दुनिया भर के लगभग 9000 प्रभावित संस्थानों में शामिल है और इंस्ट्रक्चर से आगे की सलाह का इंतजार कर रहा है।अमेरिका में आइडाहो स्टेट यूनिवर्सिटी ने दोपहर बाद होने वाली परीक्षाएं रद्द कर दीं, जबकि पेन स्टेट यूनिवर्सिटी ने छात्रों को संदेश भेजकर बताया कि फिलहाल किसी को भी कैनवस तक पहुंच नहीं मिल पा रही।

कांगो संकट में अमेरिका की भूमिका पर सवाल

किंशासा , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो के विद्रोहियों ने अमेरिका पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। विद्रोही गुट 'एम-23' ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र लिखकर कहा कि अमेरिका शांति के लिए सही से मध्यस्थता नहीं कर रहा है। उनका कहना है कि अमेरिका केवल उन पर पाबंदियां लगा रहा है, जबकि कांगो सरकार की गलतियों को नजरअंदाज कर रहा है। कांगो का यह इलाका खनिज संपदा से भरपूर है और यहां दशकों से हिंसा चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले इस विवाद को सुलझाने का दावा किया था, लेकिन जमीन पर अभी भी लड़ाई जारी है। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोग प्रभावित हो चुके हैं।

पाकिस्तान के बन्नू में आतंकी हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने एक पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया। हमलावरों ने पहले विस्फोटक से लदी गाड़ी से धमाका करने की कोशिश की और फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई ने एक बड़े आत्मघाती हमले को टाल दिया, लेकिन धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के कई घरों की छतें गिर गईं।

यूएई ने रातों-रात हजारों पाकिस्तानियों का बोरिया-बिस्तर बांधा; ना कारण बताया, ना मोहलत दी

अबू धाबी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान में जारी जंग के बीच खुद को मध्यस्थ यानी बिचौलिए के तौर पर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिश उसी पर भारी पड़ गई है। पाकिस्तान के इस कदम से मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ उसके कूटनीतिक संबंध बिगड़ गए हैं। यूएई से बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी कामगारों को डिपोर्ट (निर्वासित) किया जा रहा है।

यूएई क्यों है पाकिस्तान से खफा : खाड़ी में कई हफ्तों तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने में पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई है। अब न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई इस बात से बेहद नाराज है कि पाकिस्तान ने अमीराती क्षेत्र को निशाना बनाकर किए गए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा नहीं की। इसी नाराजगी के चलते यूएई की तरफ से पाकिस्तानियों पर यह सख्त कार्रवाई की जा रही है।

बिना कारण बताए हजारों पाकिस्तानियों को किया डिपोर्ट : न्यूयॉर्क टाइम्स ने कई पाकिस्तानी कामगारों और समुदाय के नेताओं से बातचीत के आधार पर बताया है कि हाल के हफ्तों में हजारों पाकिस्तानी शिया मुसलमानों को यूएई से निकाल दिया गया है। कई लोगों का दावा है कि उन्हें डिपोर्ट करने से पहले बिना कोई कारण बताए हिरासत में रखा गया था।

पाकिस्तानी शिया नेताओं का कहना है कि उनके समुदाय के लोगों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि उनके ईरान के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। सामुदायिक संगठनों का अनुमान है कि मध्य-अप्रैल से लेकर अब तक हजारों परिवार इस निर्वासन से प्रभावित हो चुके हैं।

हालांकि, यूएई ने अभी तक इन आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी ऐसे किसी सामूहिक निर्वासन अभियान के दावों को खारिज किया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका : इस मुद्दे ने पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि यूएई से आने वाला पैसा पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी जीवन रेखा है। वर्तमान में 20 लाख से अधिक पाकिस्तानी यूएई में रहते और काम करते हैं। अकेले पिछले साल ही इन पाकिस्तानी कामगारों ने 8 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम अपने देश भेजी थी। पाकिस्तान की कूटनीति और डगमगाती अर्थव्यवस्था इस समय खाड़ी देशों के बदलते रुख के बीच फंसी हुई है। एक तरफ जहां पाकिस्तान ने सऊदी अरब से अपनी नजदीकियां बढ़ाई हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएई (यू) का रवैया उसके प्रति बेहद सख्त हो गया है। दशकों से पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को कर्ज का 'रोल-ओवर' करके सहारा देने वाले यूएई ने अपना 3.5 अरब डॉलर का कर्ज तुरंत वापस ले लिया है। अप्रैल 2026 में पाकिस्तान को मजबूरन यह भारी-भरकम कर्ज यूएई को चुकाना पड़ा, जिसके लिए उसे सऊदी अरब से मिली नई आर्थिक मदद (डिपॉजिट) का सहारा लेना पड़ा। यूएई का यह कदम साफ दर्शाता है कि पाकिस्तान का सऊदी की तरफ अधिक झुकाव और ईरान विवाद में उसकी मध्यस्थता वाली भूमिका के चलते अबू धाबी का रुख अब 'मुफ्त मदद' से बदलकर 'सख्त वसूली' वाला हो गया है।

अमेरिका 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' की तैयारी में : यह निर्वासन का मामला ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत विफल होती है, तो वॉशिंगटन 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू कर सकता है। यह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा के लिए बनाई गई एक समुद्री सुरक्षा पहल है। खाड़ी में जारी अस्थिरता के बीच ट्रंप ने साफ किया है कि इस ऑपरेशन को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' के नाम से और भी व्यापक रूप में वापस लाया जा सकता है।

बिना आईडी नेपाल में नहीं मिलेगी एंट्री, बालेन सरकार ने भारतीयों पर लगा दिया नया नियम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की बालेन सरकार ने भारतीयों पर नया नियम लगा दिया है। दरअसल, भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। यही नहीं, नेपाल से भारत में प्रवेश करने वालों को भी परिचय पत्र दिखाना होगा। आधार या सरकार से जारी वैध पहचान पत्र मान्य हैं। इसे लेकर नेपाल प्रशासन शनिवार को एक्टिव हो गई। नई व्यवस्था लागू होने के बाद शनिवार को जोगबनी स्थित भारत-नेपाल सीमा पर दिनभर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पहचान पत्रों की सघन जांच के कारण सीमा पर वाहनों और राहगीरों की लंबी कतारें लग गईं। कोलकाता से आने वाली ट्रेन के जोगबनी स्टेशन पहुंचते ही बड़ी संख्या में यात्री नेपाल जाने के लिए सीमा पर पहुंच गए। नेपाल पुलिस के जवान पहचान पत्र जांचने के बाद ही लोगों को नेपाल में प्रवेश दे रहे थे। जिन लोगों के पास वैध पहचान पत्र नहीं था, उन्हें वापस लौटा दिया गया।

नेपाल के प्रमुख जिलाधिकारी युवराज कटेल ने स्पष्ट कहा कि सीमा पार करने के लिए पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। उधर, बहराइच से सटी नेपाल की करीब 17 किलोमीटर सीमा पट्टी में बड़ी संख्या में मधेशी समुदाय के लोग रहते हैं। नेपाली क्षेत्र के जमुनहा गांव में इस फैसले को लेकर तनाव का माहौल बताया जा रहा है। नेपाली

आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान आने-जाने वालों से पूछताछ और जांच के नाम पर सख्ती कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

चीनी घुसपैठ की आशंका लेकर पुलिस और एसएसबी अलर्ट : उधर, नेपाल की सीमा से चीनी नागरिकों की घुसपैठ के मामलों के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों की पुलिस और एसएसबी को अलर्ट किया गया है। बिहार के बेतिया, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी समेत उत्तर बिहार के अन्य जिलों की पुलिस को इलाके के सभी प्रमुख होटलों और लॉज की नियमित जांच कराने का निर्देश दिया गया है। तीन दिनों पहले अररिया के जोगबनी बॉर्डर से भारत में घुसे चीनी नागरिक को बिना वैद्य दस्तावेज के पकड़ा गया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि बीते चार मई को चीन के हुनान प्रांत का नागरिक झोउ हुआन नेपाली नंबर की स्कूटी से भारत में प्रवेश किया। बॉर्डर के पास में ही एसएसबी जवानों ने उसे रोक लिया। स्थानीय पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की थी।

अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों पर साइबर हमला, परीक्षाओं के बीच मांगी बिटकॉइन फिरौती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के विश्वविद्यालयों और स्कूलों पर बड़े पैमाने पर हुए साइबर हमलों ने शिक्षा व्यवस्था को हिला दिया है। हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले का निशाना बना कैनवस नाम का ऑनलाइन शैक्षणिक मंच, जिसका इस्तेमाल दुनिया भर के हजारों विश्वविद्यालय और स्कूल पढ़ाई, असाइनमेंट और परीक्षाओं के संचालन के लिए करते हैं। हमले के कारण अंतिम परीक्षाओं और असाइनमेंट के महत्वपूर्ण दौर में व्यापक अव्यवस्था फैल गई। कई विश्वविद्यालयों को परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ीं, जबकि छात्रों और शिक्षकों को अपने डाटा और कार्य के सुरक्षित रहने को लेकर चिंता सताने लगी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार कैनवस की मालिक कंपनी इंस्ट्रक्चर ने शुक्रवार देर रात अपनी वेबसाइट पर बताया कि अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, लेकिन शनिवार तक भी कई संस्थानों में भारी व्यवधान बना रहा। रिपोर्टों के अनुसार इस साइबर हमले से दुनिया भर के लगभग 9000 शैक्षणिक संस्थान प्रभावित हुए। कई उपयोगकर्ताओं की स्क्रीन पर बिटकॉइन में फिरौती मांगने वाला संदेश दिखाई दिया, जिसमें दावा किया गया कि शाइनीहंटर्स ने इंस्ट्रक्चर के सिस्टम में सेंध लगा ली है और यदि भुगतान नहीं किया गया तो चोरी किया गया डेटा सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

मियामी में नाव में जोरदार धमाका, 11 लोग अस्पताल में भर्ती : मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी में हौलओवर सैंडबार के पास शनिवार दोपहर एक नाव में भीषण विस्फोट होने से हड़कंप मच गया। धमाका इतना जोरदार था कि नाव पर सवार कई लोग सीधे पानी में जा गिरे। मियामी-डेड फायर रेस्क्यू ने इस घटना को 'लेवल 2 मास कैजुअल्टी' घोषित करते हुए 25 से अधिक बचाव इकाइयों को मौके पर भेजा। इस हादसे में घायल हुए 11 लोगों को तुरंत पास के अस्पतालों में ले जाया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच और चश्मदीदों के अनुसार, यह विस्फोट नाव के इंजन में जमी पेट्रोल की गैस के कारण हो सकता है।

होर्मुज में गोलीबारी का शिकार हुआ भारतीय जहाज, गुजरात के नाविक की मौत; 5 घायल

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज में एक और भारतीय जहाज गोलीबारी का शिकार हुआ है। नाविकों के एक संगठन के प्रतिनिधि के अनुसार, बीते शुक्रवार को यह घटना हुई, जब होर्मुज स्ट्रेट में दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में फंस जाने से गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। शिपिंग निदेशालय के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि तो की, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने बताया कि वे इस मामले में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यह लकड़ी से बना जहाज था, जिसकी पहचान अल फैज नूर-ए-सुलेमानी 1 नाम से हुई है। इस जहाज में 18 लोगों का क्रू सवार था। यह 7 मई को दुबई से निकला था और यमन के मुक्कम की ओर जा रहा था, तभी 8 मई को रात करीब एक बजे, होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय यह गोलीबारी की चपेट में आ गया। बता दें कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद से ही होर्मुज टकराव का केंद्र बना हुआ है। ईरान ने लंबे समय से बिना इजाजत किसी भी जहाज को निकलने देने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसकी वजह से कच्चे तेल के दामों में भी बढ़ोतरी हो रही है। अधिकारियों को लिखे एक लेटर में इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन (गुजरात) के महासचिव, आदम भाया ने इस घटना को अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक झड़प बताया। मृतक अल्ताफ तालाब केर उस जहाज पर इंजन ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। वे गुजरात के द्वारका जिले के सलाया गांव के रहने वाले थे। बाकी क्रू सदस्यों को सुबह करीब 7 बजे (स्थानीय समय) MSV प्रेम सागर-I (BDI-1491) द्वारा बचा लिया गया और वे उसी दिन शाम 6 बजे तक दुबई पोर्ट पहुंच गए। उनका इलाज एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। एक सूत्र ने बताया कि घटना के तुरंत बाद भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने बचाए गए नागरिकों से मुलाकात की। 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकले इससे पहले गुरुवार को, विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकल चुके हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, जायसवाल से उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया कि क्या ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी से बचने के लिए पाकिस्तानी समुद्री सीमा और फिर भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं, और क्या ऐसा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से विशेष अनुमति लेने की आवश्यकता है। जायसवाल ने कहा, 'उन रिपोर्टों के संबंध में कि ईरानी जहाज नाकेबंदी से बचने के लिए भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं। यदि अन्य देशों के जहाज अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में चलना चाहते हैं, तो किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

ईरान के परमाणु हथियार बनाने का कोई सबूत नहीं: व्लादिमीर पुतिन

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को 'बहुत कठिन संघर्ष' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा रूसः पुतिन पुतिन ने विक्ट्री डे परेड के बाद मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, रूस के ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। रूस दोनों पक्षों के संपर्क में है। इस संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ईरान और अमेरिका के बीच यह बहुत कठिन संघर्ष है। इससे हमारी स्थिति भी कठिन हो जाती है, क्योंकि हमारे ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। हम दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। मुझे उम्मीद है कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा। मेरा मानना है कि कोई भी इसे जारी रखना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी कहा, समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर क्या कहा? ईरान के परमाणु कार्यक्रम और परमाणु हथियार बनाने के आरोपों पर पुतिन ने कहा कि रूस ने 2015 में भी इस मामले में सहयोग किया था। उन्होंने बताया कि ईरान में बुशेहर परमाणु संयंत्र जैसी परियोजना केवल शांतिपूर्ण ऊर्जा उद्देश्यों के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने 2015 में भी ऐसा किया था। उस समय ईरान ने हम पर भरोसा किया था और उसके पीछे ठोस कारण थे। हम आज भी ईरान में परमाणु कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं। हमने बुशेहर संयंत्र का निर्माण पूरा किया। मौजूदा स्थिति से शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर हमारा काम प्रभावित नहीं है। 2015 में यह सभी देशों और ईरान के बीच समझौते की नींव बना था और इसका बहुत सकारात्मक असर हुआ था। हम फिर से वही करने के लिए तैयार हैं। 'ईरान के परमाणु हथियार विकसित करने के सबूत नहीं' पुतिन ने कहा कि रूस को कभी ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करना चाहता है। उन्होंने कहा, अगर सभी पक्ष सहमत हों, तो ईरान भरोसा कर सकता है कि वह अपनी परमाणु सामग्री एक मित्र देश को भेज सकता है, जो शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग करता रहेगा। हमने कभी नहीं कहा कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। मेरी राय में दूसरे देशों की भी इसमें रुचि हो सकती है। उन्होंने ईरान के यूरेनियम कार्यक्रम को लेकर पहले दिए गए प्रस्तावों का भी जिक्र किया। पुतिन ने कहा कि रूस ने सुझाव दिया था कि अंतरराष्ट्रीय निगरानी में संयुक्त परियोजनाओं के जरिये यूरेनियम का प्रसंस्करण किया जाए। यह पूरा काम संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए की निगरानी में हो सकता है।

मिस्र और कतर ने अमेरिका और ईरान से 'जिम्मेदारी और समझदारी' दिखाने की अपील की

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कतर के प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान जसीम अल-थानी ने अमेरिका और ईरान से इस संवेदनशील समय में 'जिम्मेदारी' और 'समझदारी' से काम लेने की अपील की है। शनिवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीति और बातचीत का रास्ता अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता प्रक्रिया को समर्थन देने पर भी जोर दिया। यह जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की। उनका कहना था कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनीतिक समाधान को प्राथमिकता देना जरूरी है, ताकि क्षेत्र के लोगों के संसाधनों और हितों की रक्षा हो सके।

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ। बाद में पाकिस्तान में लंबी शांति वार्ता भी हुई, लेकिन उससे कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका।

कूटनीतिक कोशिशों के बावजूद हाल के दिनों में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास फिर तनाव बढ़ गया। अमेरिका ने ईरानी जहाजों और तटीय इलाकों पर हमले किए, जबकि ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमला किया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शुक्रवार को कहा कि ईरानी सेना ने बड़े पैमाने पर संयुक्त सैन्य अभियान चलाया।

इसमें बैलिस्टिक मिसाइल, जहाज रोधी क्रूज मिसाइल और विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने दावा किया कि इन हमलों का निशाना अमेरिकी युद्धपोत थे। ईरान ने यह भी कहा कि खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद तीन अमेरिकी युद्धपोतों को होर्मुज क्षेत्र से पीछे हटना पड़ा। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 'बिना उकसावे वाले हमलों' को रोक दिया और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। सेंटकॉम के मुताबिक, अमेरिका तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सेना की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तीनों अमेरिकी युद्धपोतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

पीटर मगयार ने हंगरी के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली, जो ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है

बुडापेस्ट, हंगरी , एजेंसी। हंगरी के नए प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार शनिवार को संसद भवन पहुंचे और उन्होंने पद की शपथ ली, जिससे विक्टर ओर्बन के 16 साल के निरंकुश शासन का अंत हो गया। पिछले महीने, मैग्यार की मध्य-दक्षिणपंथी टिस्ज़ा पार्टी ने एक आश्चर्यजनक उलटफेर में ओर्बन की राष्ट्रवादी-लोकप्रिय फ़िडेज़ पार्टी को हरा दिया, और हंगरी के साम्यवाद-पश्चात इतिहास में किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में अधिक वोट और संसद में सीटें हासिल कीं। इस जीत से टिस्ज़ा को संसद में दो-तिहाई बहुमत मिला है, जिससे वह उन कई नीतियों को पलट सकती है जिनके कारण ओर्बन को उनके कई आलोचकों के बीच एक धुर दक्षिणपंथी तानाशाह के रूप में ख्याति मिली थी, कथित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सकती है और यूरोपीय संघ के भीतर राजनीतिक गतिशीलता को बदल सकती है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण निर्णयों को बार-बार वीटो करके ब्लॉक को उलट-पुलट कर दिया था। शनिवार को, मैग्यार अपने दल के 140 प्रतिनिधियों के साथ विशाल नव-गॉथिक शैली के संसद भवन में दाखिल हुए। हंगरी की 199 सीटों वाली संसद में अब उनके पास 141 सीटें हैं। ओर्बन के फिडेज़-केडीएनपी गठबंधन के पास अब 135 सीटों के मुकाबले 52 सीटें रह जाएंगी, जबकि धुर दक्षिणपंथी मी हाज़ांक (हमारी मातृभूमि) पार्टी के पास छह सीटें होंगी। स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11 बजे 199 प्रतिनिधियों ने पद की शपथ ली। 1990 में हंगरी की पहली कम्युनिस्ट-बाद की संसद के गठन के बाद से पहली बार ऐसा हुआ है कि ऑर्बन उनमें शामिल नहीं थे। नई राष्ट्रीय सभा में 54 महिला सांसद हैं, जिनमें से अधिकांश टिस्ज़ा पार्टी से हैं - जो कुल संख्या का एक चौथाई से अधिक है और हंगरी के इतिहास में सबसे अधिक है। मैग्यार, एक 45 वर्षीय

वकील, जिन्होंने ओर्बन की पार्टी में कई वर्षों तक अंदरूनी सूत्र के रूप में काम करने के बाद 2024 में टिस्ज़ा की स्थापना की, ने आधिकारिक भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प लिया है, जिसके बारे में उनका तर्क है कि इसने हंगरीवासियों को आर्थिक अवसरों से वंचित कर दिया है। नए प्रधानमंत्री ने हंगरीवासियों से संसद के बाहर पूरे दिन चलने वाले 'सत्ता परिवर्तन' समारोह में शामिल होने का आह्वान किया है, जो उनके शपथ ग्रहण और ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है। नए प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ही कई हजार लोग पहले से ही एकत्रित हो चुके थे। स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे शपथ लेने के बाद, मैग्यार बाहर मौजूद भीड़ को संबोधित करेंगे। मैग्यार ने यूरोपीय संघ के साथ अपने देश के संबंधों को सुधारने का वादा किया है, जिसे ओर्बन ने टूटने की कगार पर पहुंचा दिया था, और पश्चिमी लोकतंत्रों के बीच हंगरी के स्थान को बहाल करने का भी वादा किया है, जिसकी प्रतिष्ठा पर तब सवाल उठने लगे थे जब ओर्बन रूस के और करीब आते जा रहे थे। हंगरी के लिए यूरोपीय संघ के लगभग 17 अरब यूरो (20 अरब डॉलर) के फंड को जारी करना, जिसे ओर्बन के कार्यकाल के दौरान कानून के शासन और भ्रष्टाचार संबंधी चिंताओं के कारण रोक दिया गया था, नए प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हंगरी की संघर्षरत अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए इस धन की सख्त जरूरत है, जो पिछले चार वर्षों से स्थिर है। इस प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में, टिस्ज़ा के अधिकारियों का कहना है कि वे संसद भवन के अग्रभाग पर एक बार फिर यूरोपीय संघ का ध्वज फहराएंगे, जिसे ओर्बन की सरकार ने 2014 में हटा दिया था। बुडापेस्ट के उदारवादी मेयर, गेर्गेली करॉक्सोनी ने ऑर्बन के पतन और नई सरकार के गठन का जश्न मनाने के लिए शनिवार को बाद में डेन्यूब नदी के किनारे एक पार्टी का खुला निमंत्रण पोस्ट किया। करॉक्सोनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि पार्टी उन हंगेरियन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती है जिन्होंने वर्षों से ओर्बन की व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई है: 'शिक्षकों को बर्खास्त किया गया, नागरिकों और पत्रकारों को अपमानित किया गया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)